RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 130 , मंगलवार, 23 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

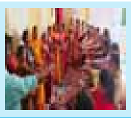
नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में शपथ ग्रहण व जागरूकता कार्यक्रम 03

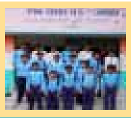
गर्मी की छुट्टी के बाद विद्यालय पहुंचे छात्रों का टाई-बेल्ट देकर हुआ स्वागत 04

चेतना पांडे हॉरर फिल्म हॉन्टेड-3डी में मचा रहीं धमाल, रियल लाइफ... 07

संक्षिप्त समाचार

भारत में घुसपैठ कराने की बांग्लादेश की नापाक चाल

लाठी लेकर पहुंचे सैकड़ों बांग्लादेशी सीमा पर भारी तनाव

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश-भारत सीमा पर तनाव बढ़ गया है। शनिवार को बांग्लादेश की तरफ से भारत में घुसपैठ की कोशिश की गई, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये अवैध घुसपैठिए थे जिन्हें भारतीय सुरक्षा बलों ने बांग्लादेश में भेज दिया था। बांग्लादेश ने इन लोगों को अपने इलाके में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बाद में बांग्लादेश के सीमा रक्षा बल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश

ने इन लोगों पर भारत में वापस जाने के लिए दबाव बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 20 लोगों ने भारत में घुसने की कोशिश की, जिसे बीएसएफ ने वापस खदेड़ दिया। इसके बाद यह समूह फिर बांग्लादेश की तरफ जमा हुआ। इस बार उनके पीछे लगभग 1000 लोग थे, जिन्होंने अपने हाथों में लाठी-डंडे लेकर पहुंचे थे। इससे सीमा पर तनाव की स्थिति बन गई।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को धमकी

रक्षामंत्री बोले-जिस पल पानी पर खतरा लगा, हम जंग शुरू कर देंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने

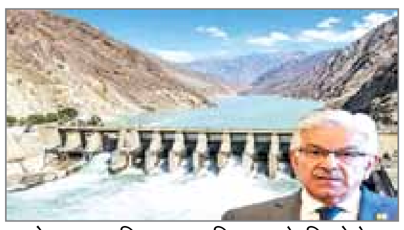

आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता तब तक बहाल नहीं होगी।

बिहार में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

घर के बाहर बैठे थे, हमलावर ने अचानक कुल्हाड़ी से वार किया

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए

पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया गया है। घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना एम्स रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लखनऊ की कोचिंग में आग, 15 स्टूडेंट की मौत

10 के फंसे होने की आशंका, आग से बचने के लिए बाथरूम में छिपे थे बच्चे

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार दोपहर एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई। लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके पर हैं। एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म आग बुझाने में लगी है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ भी पहुंची है। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा है, जिसके जरिए शवों को बाहर निकाला जा रहा है। एक

पुलिस अधिकारी ने बताया, अभी भी करीब 10 लोग अंदर फंसे हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे हैं। करीब 14 एम्बुलेंस मंगवाई गई हैं। बिल्डिंग में बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है।

सीएम योगी दिए राहत और बचाव कार्य के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने व घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए गए हैं। मौके पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि घटना के वक्त कई बच्चे अंदर थे। आग लगी तो वह नीचे कूदने लगे। घटना से जुड़े कई फोटो और वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए हैं। मौके पर डीएम विशाख, एडीसीपी उत्तरी ट्विंकल जैन समेत कई अधिकारी पहुंचे हैं। दमकल की करीब एक दर्जन गाड़ियां और एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से कर्मचारी रेस्क्यू में जुटे हैं। घटना में कितने लोग हताहत हुए हैं अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। ऐहतियात के तौर पर पुलिस ने आसपास की इमारतों को खाली कराया है। रेस्क्यू आपरेशन के लिए यातायात को भी डायवर्ट किया गया है।

● पश्चिमी घाट में बड़ा बदलाव करेगी मोदी सरकार

56825 किलोमीटर क्षेत्र को मिलेगी ईएसए सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार 12 साल बाद पश्चिमी घाट के कुछ हिस्सों को पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि इन क्षेत्रों को विशेष पर्यावरणीय सुरक्षा मिलेगी। इसका मतलब है कि ऐसे इलाकों में खनन, बड़ी फैक्ट्रियां, थर्मल पावर प्लांट और कई तरह की औद्योगिक गतिविधियों पर रोक या कड़ी पाबंदी लग जाएगी। हालांकि, केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर सभी राज्य सहमत नहीं हैं। इसी वजह से केंद्र ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सरकार उन राज्यों में ईएसए लागू करने की तैयारी कर रही है जहां इस पर सहमति बन चुकी है या बनने के करीब है। जानकारी के लिए

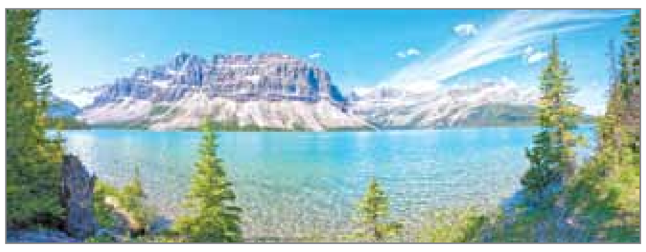

बता दें कि पश्चिमी घाट को भारत की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखलाओं में से एक माना जाता है। यह गुजरात से लेकर केरल तक फैली हुई है। दुनिया के आठ सबसे बड़े बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट में इसका नाम शामिल है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल भी घोषित किया है। कई प्रमुख नदियां पश्चिमी घाट से निकलती हैं।

नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं रुकेंगी

अगर किसी क्षेत्र को ईएसए घोषित कर दिया जाता है तो वहां नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं, रेत खनन, सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले रेड-कैटेगरी उद्योग और 20,000 वर्गमीटर या उससे बड़े निर्माण प्रोजेक्ट पर रोक लग जाती है। 2024 में जारी ताजा ड्राफ्ट के मुताबिक केंद्र सरकार 56,825.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए घोषित करना चाहती है। यह क्षेत्र छह राज्यों में फैला हुआ है। कर्नाटक में 20,668 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किलोमीटर, केरल में 9,993.7 वर्ग किलोमीटर, तमिलनाडु में 6,914 वर्ग किलोमीटर और गुजरात में 449 से 470 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएसए के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। गोवा में क्षेत्र को लेकर अभी अंतिम फैसला होना बाकी है।

राज्य सहमत होंगे तभी लागू होगी व्यवस्था

गुजरात पहला ऐसा राज्य है जिसने ईएसए को लेकर अपनी अंतिम सहमति दे दी है। राज्य के 64 गांवों और लगभग 449 से 470 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए घोषित किया जा सकता है। हालांकि, गुजरात ने शर्त रखी है कि गैर-वन क्षेत्रों में छोटे खनिजों की खनन गतिविधियां जारी रहने दी जाएं और पहले से चल रहे निर्माण कार्य प्रभावित न हों। महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए में शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे 2,515 गांव प्रभावित होंगे। हालांकि, महाराष्ट्र चाहता है कि 378 गांवों को ईएसए सूची से बाहर रखा जाए। गोवा सरकार ने भी 108 प्रस्तावित गांवों में से 21 गांवों को ईएसए सूची से बाहर रखने की मांग की है। ये सभी गांव सत्तारी तालुका में स्थित हैं। कर्नाटक इस प्रस्ताव का विरोध कर रहा है।

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

4 साल में दूसरी टूट, शिंदे बोले- छक्का लगाया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पाला बदलने का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने कहा- जब हमने विद्रोह किया था, तब शुरुआत में 40 विधायक थे और अब चौके नहीं, छक्के लग चुके हैं। 2022 में शिवसेना ने पार्टी को बचाने के लिए धनुष-बाण को बचाने के लिए विद्रोह किया था। अब दूसरा चरण शुरू हो गया है। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों के लिए है, इन विचारों को संरक्षित करने के लिए है, इसीलिए 6 सांसदों ने पार्टी ज्वाइन की है।

राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए

उद्धव ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा- उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे। वहीं पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। इससे पहले संजय राउत ने एक्स पर बताया था कि उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान वे बागी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। जारी शेड्यल के अनुसार, उद्धव 27 जून को यवतमाल, वाशिम और हिंगोली जाएंगे। 28 जून को परभणी और धाराशिव का दौरा करेंगे। 29 जून को शिर्डी पहुंचेंगे।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर का इस्तीफा, कहा-पार्टी को नहीं लगता मैं अगला चुनाव जिता सकता हूं

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। हाल के महीनों में कई सांसदों और मंत्रियों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन और गिरती लोकप्रियता ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ा दिया था। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहैम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहैम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन है।

छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश, तमिलनाडु में बवंडर

15 दिन बाद आगे बढ़ा मानसून, तेलंगाना के रास्ते छत्तीसगढ़ पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटके मानसून की दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ने में मदद की है। इसके साथ ही बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में यह राज्य के बाकी जिलों को भी कवर कर लेगा। तमिलनाडु के थूथूकोडी में रविवार को बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था। लेकिन आईएमडी ने सोमवार को पुष्टि करते हुए कहा कि थूथुकुडी की घटना लोकल कन्वेक्टिव वॉर्टेक्स यानी धूल का बवंडर थी। रविवार को मेघालय में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को ओले गिरे।

बंगाल में आधी हुई मदरसों को मिलने वाली रकम

महिलाओं को नौकरी में 33 फीसदी आरक्षण का वादा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को भाजपा सरकार का पहला बजट पेश किया। बजट में कहा गया कि सरकार 1 लाख से ज्यादा सरकारी पदों को भरेगी और इसमें महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि 4 लाख 30 हजार करोड़ के बजट में पूर्व सीएम ममता बनर्जी के समय शुरू हुई सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं (जैसे- अन्नपूर्णा योजना और महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा) को जारी रखा जाएगा। सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, कोलकाता में एक नए एयरपोर्ट बनने की भी घोषणा की गई है। वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार को पिछली सरकार से 8.15 लाख करोड़ रुपए का कर्ज का बोझ विरासत में मिला है। वित्तीय अनुशासन को बहाल करना और शासन में जनता का विश्वास जीतना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल होगा। उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासनिक ढांचा तैयार होगा।

मोदी सरकार ने महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी की तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के मकसद से एक नए संविधान संशोधन को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। इस प्रस्ताव पर सरकार के उच्च स्तरों पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। प्रस्तावित कानून, जिसे संविधान (133वां संशोधन) बिल के तौर पर पेश किया जा सकता है, मोटे तौर पर विफल रहे संविधान (131वां संशोधन) बिल पर ही आधारित होगा। लेकिन यह परिसीमन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा, क्योंकि इसमें यह सुझाव दिए जाने की संभावना है कि 1971 की जनगणना पर आधारित मौजूदा अंतर-राज्यीय सीट अनुपात में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, राज्यों के भीतर चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं 2011 की जनगणना के आधार पर फिर से तय की जा सकती हैं।

● 2029 से पहले लोकसभा-विधानसभा सीटें बढ़ाने का है प्लान

फिर ऐक्टिव हुई मोदी सरकार, एससी-एसटी कोटे को भी फायदा

ड्राफ्ट लगभग तैयार, बदलाव भी संभव- सूत्रों के मुताबिक, ड्राफ्ट काफी हद तक तैयार है और इसमें आर्टिकल 55, 81, 82, 170, 330, 332 और 334ए में बदलाव की मांग की जा सकती है। प्रस्तावित कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या में एक समान बढ़ोतरी का जिक्र भी है।

एससी-एसटी कोटे का भी प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है- सीटों की संख्या बढ़ने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व भी बढ़ सकता है। मौजूदा सोच के अनुसार, लोकसभा में एससी सीटों की संख्या 84 से बढ़कर 136 और एसटी सीटों की संख्या 47 से बढ़कर 70 हो सकती है। आरक्षित सीटों की संख्या बढ़ाने के अलावा, इस कवायद से सदन में अनुसूचित जातियों के लिए मौजूदा 15.46 के मुकाबले पूरे 16 फीसदी आरक्षण को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा। महिलाओं के लिए कोटा वर्टिकली (लंबवत) लागू होगा, जिसका मतलब है कि आरक्षित सीटों में से आरक्षण तय होगा।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में रोड एक्सीडेंट में महिला की मौत, परिजनों ने शव रखकर किया प्रोटेस्ट, पुलिस एक्शन पर उठाए सवाल

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मुआवजे के साथ-साथ मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की और पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। जानकारी के अनुसार, यह घटना बीते शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे हुई थी। सररिया पंचायत के वार्ड नंबर 11 निवासी 40 वर्षीय हिरा देवी, जो रामजन्म राम की पत्नी थीं, अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल से तिनपुलवा होते हुए अपने मायके मधुसूदन पकड़ी जा रही थीं। लालगंज न्यू बाइपास स्थित यादव चौक के पास सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में हिरा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोट होने के कारण उन्हें पटना रेफर कर दिया गया था। रविवार शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने शव को तीनपुलवा चौक पर रखकर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन को पुलिस ने जब्त किया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। परिजन मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फिलहाल मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौजूद है। वे लोगों को समझाकर यातायात सामान्य कराने का प्रयास कर रहे हैं। इस मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार है।

पंचायत में जमीन विवाद पर तलवार-पिस्टल से हमला, दो लोग गंभीर घायल, एक पटना रेफर, 2 आरोपी अरेस्ट

हाजीपुर। जिले के काजीपुर थाना क्षेत्र के सेलमपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर बुलाई गई एक पंचायत के दौरान हमलावरों ने तलवार और पिस्टल से हमला कर दिया। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। पुलिस को दिए बयान में नीलम देवी ने बताया कि उनके पति मुकेश पासवान और देवर देवनाथ पासवान गांव के स्कूल में आयोजित एक पुरानी जमीन विवाद सुलझाने वाली पंचायत में मौजूद थे। इसी दौरान, राजेश्वर पासवान (स्वर्गीय तुलसी पासवान

के पुत्र), उनके बेटे मनीष कुमार और अभिनाश कुमार, तथा राजेश्वर पासवान की पत्नी लालमुनी देवी वहां पहुंचे। उन्होंने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। जब मुकेश पासवान और देवनाथ पासवान ने इसका विरोध किया, तो मनीष और अभिनाश ने तलवारें निकाल लीं, जबकि राजेश्वर पासवान ने पिस्टल ले ली। मनीष और अभिनाश ने देवनाथ पासवान पर जान से मारने की नीयत से तलवार से हमला किया, जिससे उनके दोनों हाथों और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। राजेश्वर पासवान ने पिस्टल की बट से मुकेश पासवान के सिर पर वार किया, जिससे वे भी बुरी तरह घायल होकर गिर पड़े। वहां मौजूद ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर घायलों को बचाया। घायलों को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया। देवनाथ पासवान की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। नीलम देवी ने अपनी शिकायत में दिनेश पासवान पर भी इस घटना में शामिल होने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि राजेश्वर पासवान के दोनों बेटे घटना से पहले दिनेश के घर पर थे। परिजनों का आरोप है कि आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं, जिसके डर से वे लोग घर छोड़कर भागे हुए हैं। हालांकि, पुलिस ने घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज कर मनीष कुमार और अभिनाश कुमार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

'प्रशासन आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रहा'

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के गायघाट प्रखंड के चोरनिया गांव निवासी जगतवीर राय की मौत मामले में सोमवार को समाहरणालय परिसर के पास 'हल्ला बोल' धरना-प्रदर्शन हुआ। जिसका नेतृत्व जन अधिकार पार्टी प्रमुख और सांसद पप्पू यादव ने किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में पहुंचे समर्थकों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने प्रदर्शन किया। समाहरणालय परिसर में 'आजादी-आजादी', 'जगतवीर राय को न्याय दो' और 'दोषियों को गिरफ्तार करो' जैसे नारे गूंजे। पप्पू यादव ने कहा कि जगतवीर राय की मौत एक गंभीर मामला है और पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन प्रशासन कार्रवाई करने के बजाय आरोपों के घेरे में आए लोगों को बचाने में जुटा हुआ है। पप्पू यादव ने कहा कि मुजफ्फरपुर समेत पूरे बिहार में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वे हर पीड़ित परिवार की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन जगतवीर राय मामले में जिस तरह से कार्रवाई हो रही है, उससे लोगों का भरोसा व्यवस्था से उठ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जगतवीर राय की मौत के बाद पप्पू यादव पहले भी मुजफ्फरपुर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। अब एक बार फिर उन्होंने धरना-प्रदर्शन के जरिए प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश की है। धरना के दौरान युवा नेता प्रभात किरण ने आरोप लगाया कि मामले में दोषी बताए जा रहे थानाध्यक्ष राजा सिंह को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसएफएल रिपोर्ट में ड्यूटी के दौरान नशे में होने की बात सामने आने के बावजूद संबंधित अधिकारी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रभात किरण ने कहा कि यदि प्रशासन निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करता है तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था में लोगों के भरोसे की लड़ाई है।

कार सवार दो तस्कर गिरफ्तार, एसएसपी के निर्देश पर विशेष टीम ने नाकेबंदी कर पकड़ा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले की देवरिया थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 602 ग्राम गांजा के साथ दो अंतरजिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर एसडीपीओ सरैया अभिजीत कौर के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम ने की। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को देवरिया पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी। बताया गया था कि एक कार से मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ सरैया अभिजीत कौर के नेतृत्व में थाना की विशेष टीम ने तत्काल नाकेबंदी की योजना बनाई। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मलगं स्थित चौधरी टोला के पास घेराबंदी की। कुछ ही देर बाद एक संदिग्ध कार वहां आती दिखाई दी। जैसे ही कार नाकेबंदी के पास पहुंची, पहले से मुस्तैद पुलिस बल ने उसे घेर लिया और रुकने का इशारा किया। कार के रुकते ही पुलिस टीम ने उसकी गहन तलाशी ली, तो उसमें से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने कार में सवार दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान साहेबहंज निवासी शशि रंजन कुमार और देवरिया इलाके के रहने वाले रोशन तिवारी के तौर पर हुई है। पुलिस अब इन दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है और इनके पूरे फॉरवर्ड-बैकवर्ड नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजे की यह खेप कहां से लेकर आए थे, इसका मुख्य सरगना कौन है और इसे जिले में या जिले से बाहर किसे सप्लाई किया जाना था। इस सफल ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीम ने गिरफ्तार तस्करों के पास से कुल 602 ग्राम गांजा बरामद किया है। इसके साथ ही, मादक पदार्थों के परिवहन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत अपने कब्जे में ले लिया है। इस पूरी कार्रवाई के संबंध में देवरिया थाना में कांड संख्या 184/26 दर्ज की गई है। आगे की वैधानिक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

शादी के दौरान धर्मशाला पर पथराव, दो घायल, जांच जारी

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ स्थित उमानाथ मंदिर परिसर में शादी समारोह के दौरान पथराव की घटना से अफरा-तफरी मच गई। घटना राम जानकी मंदिर परिसर की धर्मशाला में हुई, जहां विवाह की रस्में पूरी होने के बाद विदाई की तैयारी चल रही थी। जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान अचानक बिजली चली गई। इसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए धर्मशाला की ओर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। अचानक हुए हमले से मौके पर मौजूद लोग घबरा गए और समारोह में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

महिला गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती: पथराव में पंडारक थाना क्षेत्र से आई एक महिला के चेहरे पर पत्थर लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। एक अन्य व्यक्ति को भी चोटें आई हैं। दोनों घायलों को इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दोनों पक्षों ने विवाद से किया इनकार: बताया जा रहा है कि वधू पक्ष पंडारक से आया था, जबकि बाराती पक्ष शहरी गांव से था। वधू पक्ष के लोगों का कहना है कि शादी समारोह के दौरान दोनों पक्षों के बीच किसी तरह का विवाद नहीं हुआ था। परिजनों ने आशंका जताई है कि वारदात के पीछे स्थानीय असामाजिक तत्वों का हाथ हो सकता है।

♦ बाढ़ में विदाई से पहले बदमाशों ने किया हमला

मौके पर पहुंची पुलिस, जांच शुरू: घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और बाढ़ थाना की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि पथराव किन लोगों ने और किस मकसद से किया।

रौशन आनंद के भाई और कर्मी को नहीं मिली बेल

एजेंसी, पटना

पटना कोचिंग विवाद से जुड़े रौशन आनंद पक्ष के 2 लोगों की जमानत याचिका पटना डिस्ट्रिक्ट जज के बेंच में फाइल की गई है। आज इस पर ADG 33 के कोर्ट में अभिषेक और गौरव की जमानत पर सुनवाई हुई। रौशन आनंद के पक्ष की ओर से बहस के दौरान अपनी दलील रखी गई। बहस के बाद कोर्ट की ओर से LCR (लोअर कोर्ट रिकॉर्ड) की मांग की गई है। अगली तारीख पर मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास के यहां से रिकॉर्ड आने के बाद दोबारा से बहस होगी। इसी कोर्ट से रौशन आनंद को सुनवाई के बाद बेल मिली थी। अभिषेक और गौरव की बेल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास ने खारिज कर दी थी।

25 जून को होगी अगली सुनवाई: फैजल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत और उनके दोनों गाड्र्स की जमानत पर बहस 25 जून को होगी। पुलिस की ओर से कोर्ट में अपडेट केस डायरी सबमिट कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, अपडेटेड केस डायरी में

❑ पटना सिविल कोर्ट ने बहस के बाद LCR मांगी, अब अगली तारीख को होगी बहस

पटना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि लड़ाई झगड़ा या आत्मरक्षार्थ (सेल्फ डिफेंस) में गोली नहीं चलाई गई थी। घटना समाप्त हो गई थी, उसके बाद दोनों गाड्र्स की ओर से फैजल खान उर्फ खान सर के कहने पर फायरिंग की गई थी। कोर्ट की ओर से डायरी सबमिट होने के बाद अगली सुनवाई के लिए 25 जून का समय दिया गया था। अगले गुरुवार को खान पक्ष, रौशन आनंद पक्ष और लोक अभियोजक की ओर से बहस की जाएगी।

कार में मिली बॉडी, भाई ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी, पटना

गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के रोड नंबर 1 में एक कार से चालक की बॉडी देर शाम मिली थी। मृतक की पहचान झारखंड बोकारो के रहने वाले रवि रमण यादव (40) के रूप में हुई थी। मृतक रमण के बड़े भाई मनोज कुमार ने बताया, जनता रोड पत्थर गली सरिस्ताबाद में हमलोग रहते हैं। मेरा भाई सचिवालय में किसी अधिकारी की गाड़ी चलाता था। शनिवार और रविवार इसकी छुट्टी होती थी। इस रविवार किसी ने इसे कॉल करके बुलाया। वह ड्यूटी जाने के टाइम घर से रोज की तरह निकला। देर रात काम से 8:30 तक लौटता था। कल शाम में 8:15 बजे गर्दनीबाग थाने से कॉल आया कि आपके भाई की मौत हो गई है। इसके बाद में थाने पर गया। विश्वास नहीं हो रहा था।

थाने पर पहुंचा तो बताया गया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए

पीएमसीएच भेजा गया है। मैं मच पोस्टमार्टम ऑफिस पहुंचा। अभी मेरे भाई को अंदर पोस्टमार्टम के लिए ले जा रहे थे, तब तक मैं बॉडी रोककर देखी। मेरे भाई के सिर पर, बॉडी में चेस्ट के पास, पीठ में इंज्यूरी थी। मुझे पूरी आशंका है कि मेरे भाई की हत्या करके बॉडी कार में डमप कर दी गई है, यह हत्या है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक हम लोग इंतजार कर रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो चीज निकल कर आएगी, उसके आधार पर आगे बढ़ेंगे।

मोहल्ला क्लीनिक के तर्ज पर पटना को मिलेगा अर्बन हेल्थ-सेंटर, स्वास्थ्य मंत्री करेंगे उद्घाटन

एजेंसी, पटना

पटना में दिल्ली मॉडल के मोहल्ला क्लीनिक के तर्ज पर दो नए अर्बन हेल्थ सेंटर की सौगात मिलेगी। इसी सप्ताह स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार एक साथ दोनों सेंटरों का उद्घाटन कर सकते हैं। पटना नगर निगम के दो वार्डो में इसकी सौगात दी गई है। इसमें एक हेल्थ सेंटर वार्ड संख्या 38 के दरियापुर भट्ठी में बना है, जो कि सबसे बड़ा है और दूसरा वार्ड संख्या 48 के नंद नगर कॉलोनी में तैयार किया गया है। इस अर्बन हेल्थ सेंटर लोगों को मुफ्त इलाज, नियमित जांच और आवश्यक दवाएं मिलेगी।

18 जगह पर निर्माण के लिए सरकार ने उपलब्ध कराई जगह: वार्ड पार्षद डॉ इंद्रदीप चंद्रवंशी ने कहा, 'जब मैं स्टैंडिंग कमिटी का सदस्य था, तो हम लोगों ने मिलकर यह इनिशिएटिव लिया था। हमारा यही

प्रयास था कि नगर निगम के सभी 75 वार्ड में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हो। अब इसका आगाज मैं और वार्ड 38 के पार्षद डॉ आशीष सिन्हा कर रहे हैं। इसके अलावा 18 जगह पर इसे बनाने के लिए सरकार ने जगह उपलब्ध करा दी है। आज भी दिल्ली मॉडल के मोहल्ला क्लीनिक की चर्चा होती है। मैं आश्वस्त करता हूं कि वैसे ही सुविधा पटना के इन दो शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में

❑ दरियापुर भट्ठी और नंद नगर कॉलोनी में बनकर तैयार, मुफ्त इलाज मिलेगी

देखने को मिलेगी।'

अर्बन हेल्थ सेंटर में मिलेंगी ये प्रमुख सुविधाएं: अर्बन हेल्थ सेंटर में सामान्य ओपीडी में मौसमी और सामान्य बीमारियों का इलाज किया जाएगा। साथ ही गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण और सुरक्षित प्रसव संबंधी सलाह, बच्चों का टीकाकरण और नवजात शिशुओं की देखभाल आदि की सविधा भी मिलेगी।

वार्ड संख्या- 38 के दरियापुर भट्ठी रोड में दशकों से अतिक्रमित चार कट्ठा जमीन को मुक्त कराकर इस अस्पताल का निर्माण कराया गया है। पटना नगर निगम द्वारा NOC देने के बाद बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत BMSICL की ओर से 1.16 करोड़ रुपये की लागत से भवन को तैयार किया गया है। इस नए अर्बन हेल्थ सेंटर भवन में 12 कमरे, 6 शौचालय, एक बड़ा हॉल और आपातकालीन स्थिति के लिए छह बेड की व्यवस्था की गई है।

मुसल्लहपुर हाट के छात्रों को मिलेगी सुविधा: वार्ड संख्या 48 के नंद नगर कॉलोनी में बने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में विकसित किया गया है। इस केंद्र के चालू होने से नंद नगर और नयागांव स्लम बस्ती की करीब 10 हजार की गरीब आबादी सहित कुल एक लाख से अधिक को राहत मिलेगी। इस वार्ड के अंतर्गत मुसल्लहपुर और सैदपुर इलाके में बड़ी संख्या में छात्र रहते हैं। अब इन सभी छात्रों और स्थानीय लोगों को मौसमी और सामान्य बीमारियों के लिए महंगे निजी डॉक्टरों के पास नहीं जाना पड़ेगा।

बिहार विधानसभा में विशेष अधिकार न्यायालय शुरू विधायकों के अधिकार हनन से जुड़े मामलों की होगी सुनवाई

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा में जनप्रतिनिधियों और सदन की गरिमा की रक्षा के लिए एक नई व्यवस्था की शुरुआत की गई है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सोमवार को विशेष अधिकार न्यायालय कक्ष का उद्घाटन किया। यह न्यायालय सदन के सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के विशेषाधिकारों के हनन से जुड़े मामलों की सुनवाई करेगा। विधानसभा के अध्यक्ष ही विशेष अधिकार न्यायालय के जज होंगे और सारे मामलों की सुनवाई करेंगे। विधानसभा की कार्यवाही और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस व्यवस्था को एक महत्वपूर्ण संस्थागत पहल माना जा रहा है।

क्या है विशेष अधिकार न्यायालय?: विशेष अधिकार न्यायालय विधानसभा के विशेषाधिकारों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए बनाया गया एक विशेष मंच है। यदि किसी विधायक, विधान परिषद सदस्य, विधानसभा अधिकारी या कर्मचारी को लगता है कि उसके विशेषाधिकारों का उल्लंघन हुआ है, तो वह इस न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत मिलने के बाद मामले की सुनवाई की जाएगी और सभी पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा।

कैसे होगी सुनवाई?: विशेष अधिकार न्यायालय में किसी भी शिकायत पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर बुलाया जाएगा। शिकायतकर्ता और आरोपित पक्ष दोनों की बातें सुनी जाएंगी। मामले से जुड़े तथ्यों, दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच के बाद विधानसभा अध्यक्ष अंतिम निर्णय देंगे। इस पूरी प्रक्रिया

♦ मुख्य सचिव और डीजीपी भी होंगे तलब

का उद्देश्य निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना और सदन की गरिमा को बनाए रखना है।

इस न्यायालय में मुख्य रूप से निम्न प्रकार के मामलों की सुनवाई की जाएगी

मुख्य सचिव और डीजीपी को भी बुलाया जा सकेगा: इस न्यायालय की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य के वरिष्ठतम अधिकारियों को भी तलब किया जा सकता है। किसी मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव, डीजीपी या अन्य उच्च अधिकारियों को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना पड़ सकता है। इससे विधानसभा के अधिकारों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

6 जिलों में आंधी-बारिश, कोसी बराज से 91 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज

एजेंसी, पटना

भीषण गर्मी के बीच बिहार के कुछ जिलों में मौसम बदला है। नालंदा, शेखपुरा, गोपालगंज, लखीसराय और बेतिया में बारिश हुई है। सुबह सुबह कैमूर में भी हल्की बूंदाबांदी हुई। नेपाल में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। कोसी बराज से 91 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। इससे सुपौल के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को राज्य के 19 जिलों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है।

बिहार में सामान्य से 42 फीसदी कम बारिश: बिहार में मानसून की एंट्री हो चुकी है, लेकिन अब तक राज्य में सामान्य से 42% कम बारिश दर्ज की गई है। 21 जून तक बिहार में 87.8 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, जबकि अब तक

सिर्फ 50.8 मिमी बारिश हुई है। स्थिति यह है कि उत्तर-पूर्व बिहार के कुछ जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है, जबकि दक्षिण और पश्चिम बिहार के कई जिले अब भी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। इसका सीधा असर कृषि गतिविधियों पर पड़ने लगा है। बारिश कुछ चुनिंदा जिलों तक ही सीमित रहने के कारण राज्य के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी और उमस का दौर जारी है।

बिहार की एक्स आईपीएस काम्या मिश्रा पॉलिटिक्स करेंगी जॉइन!

एजेंसी, पटना

लेडी सिंघम के नाम से मशहूर बिहार कैडर की पूर्व IPS ऑफिसर काम्या मिश्रा पॉलिटिक्स में कदम रखेंगी। उन्होंने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया और कहा, 'जो भी पॉलीटिकल पार्टी देश के लिए अच्छा करेगी और मेरे आईडियोलॉजी से मैच करेगी, मैं उसे जॉइन करूंगी।' इसके साथ ही उन्होंने खान सर की तारीफ करते हुए कहा, 'उन्होंने एजुकेशन सिस्टम में क्रांति लाई है।' काम्या ने अपने लव लाइफ से लेकर नौकरी छोड़ने तक के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'अगर उनके अकेले का डिसीजन होता तो वह बिहार कभी नहीं छोड़ती। बिहार मेरी कर्मभूमि रही है और मैं बिहार का कर्ज कभी नहीं चुका पाऊंगी।' यह बातें काम्या मिश्रा ने News Pinch के टॉक शो में कही है। आईपीएस करियर चुनने पर काम्या ने कहा, 'मुझे अपनी खुद की आइडेंटिटी चाहिए थी। यूपीएससी करने के बाद समाज

में काफी इंपैक्ट लाया जा सकता है। पुलिस के करियर में कोई थैंक यू नहीं है। बस काम करते रहना है। पुलिसिंग समाज के बारे में आइना दिखाती है। बिहार में पाए गए एक्सपीरियंस के लिए मैं काफी शुक्रगुजार हूं। मैं किस्मत में बहुत विश्वास रखती हूं कि अगर आपके जीवन में कोई चीज हो रही है, तो उसके पीछे कोई ना कोई कारण है।' अपने लव लाइफ के बारे में बात करते हुए काम्या ने बताया कि उन्होंने ही अवधेश को सबसे पहले प्रपोज किया था। उन्होंने लड़कों को एक टिप भी दिया कि, 'लड़कियों को ज्यादा भाव मत दीजिए और पीछे मत पड़िए, ऐसा करेंगे तो लड़की आपको भाव देगी।'

पूरे बिहार में 30 जुलाई से सफाईकर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल

30 जून को सभी नगर निकायों में करेंगे प्रदर्शन, पटना में भी नहीं उठाएंगे कचरा

एजेंसी, पटना

पूरे बिहार के नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के कर्मचारी 30 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। उससे पहले 30 जून को सभी नगर निकायों में प्रदर्शन किया जाएगा। पटना नगर निगम मुख्यालय मौर्य लोक पर भी 30 जून को प्रदर्शन होगा। उसके बाद सभी अंचल पर प्रदर्शन और आमसभा कर कर्मियों को हड़ताल के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। बसे पहले बांकीपुर अंचल पर प्रदर्शन किया जाएगा। उसके बाद कंकड़बाग, पाटलीपुत्र, नूतन राजधानी अजिमाबाद और पटना सिटी अंचल पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 29 जुलाई को हड़ताल के पूर्व संध्या पर मौर्य लोक से मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

हम लोगों ने सरकार को दो वर्षों का मौका दिया- चन्द्र प्रकाश सिंह: पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के

अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह ने कहा, 'हम लोगों ने सरकार को दो वर्षों का मौका दिया था। नगर विकास अधिकारी और यूनियन के पदाधिकारी की एक कमिटी बनी थी, जिसमें समान काम का समान वेतन को लेकर बात हुई थी। लेकिन एक साल से ऊपर हो गया, आज तक एक भी बैठक नहीं हुई, जिससे सरकार की मजदूर विरोधी मंशा स्पष्ट है। इसलिए इस बार सरकार को कोई मौका नहीं देना चाहते, जब तक मांग पूरा नहीं हो जाता।'

दैनिक कर्मियों के नियमति करने सहित अन्य मांग: पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार ने कहा, 'ये प्रदर्शन दैनिक कर्मियों के नियमित करने, आउटसोर्स व्यवस्था की समाप्ति कर आउटसोर्स कर्मियों का निगम कर्मी के रूप में एडजस्टमेंट, आउटसोर्स के द्वारा मानव बल की चोरी पर रोक, एसीपी और एमएसीपी पर नगर विकास विभाग द्वारा लगाए रोक को वापस लेने की मांग को लेकर किया जाएगा। बिहार के लोकल बॉडीज कर्मचारी अपने अपने क्षेत्र में आमसभा करेंगे। 5 जुलाई को मगध प्रमंडल का गया में, 6 जुलाई को पटना प्रमण्डल का पटना में, 10 जुलाई को तिरहुत प्रमण्डल का मुजफ्फरपुर में, 12 जुलाई को दरभंगा प्रमण्डल का दरभंगा में, 14 जुलाई को मुंगेर प्रमण्डल का बेगूसराय में और फिर कोसी, भागलपुर और पूर्णिया प्रमण्डल में आमसभा किया जाएगा। हड़ताल के पूर्व संध्या पर सभी निकाय में 29 जुलाई को मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

शराब कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा, तीन थाना क्षेत्रों से भारी मात्रा में शराब बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस द्वारा शराब एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई है। इस दौरान कई कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया तथा वाहनों को भी जब्त किया गया। केसरिया थाना पुलिस ने ग्राम महमदपुर में छापेमारी कर 17 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है। वहीं पलनवा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर रात्रि गश्ती के दौरान ग्राम उचीडीह से दो मोटरसाइकिलों पर लदी 274 बोतल कस्तूरी नेपाली शराब बरामद की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 74.4 लीटर बताई गई है। पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है तथा मामले में संलिप्त तस्करों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इधर कोटवा थाना पुलिस ने ग्राम बरहरवा में कार्रवाई करते हुए 15 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में शराब तस्करी एवं अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि अवैध शराब निर्माण, बिक्री अथवा तस्करी की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराबबंदी कानून का कड़ाई से पालन कराया जाएगा तथा अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार की अनूठी पहल, ऑनलाइन क्विज में 3 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

बीएनएम@ मोतिहारी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विशेष ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता-2026" को व्यापक सफलता मिली। प्रतियोगिता में तीन हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस प्रतियोगिता में योग के महत्व, इतिहास और स्वास्थ्य लाभों से जुड़े ज्ञानवर्धक एवं रोचक प्रश्न शामिल किए गए थे। प्रतियोगिता में शिक्षक, छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने बताया कि डिजिटल माध्यम से आयोजित ऐसी रचनात्मक गतिविधियों का उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं बेहतर जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है और इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन लगातार प्रयासरत है। क्विज क्रिएटर अनुपमा प्रियदर्शिनी तथा क्विज ऑर्गनाइजर मृत्युंजयम ने कहा कि प्रतियोगिता को लेकर प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखने को मिला। शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि टीचर्स ऑफ बिहार नवाचार, डिजिटल लर्निंग और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जोड़ने का कार्य निरंतर कर रहा है। भविष्य में भी ऐसी ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "करें योग, रहें निरोग" का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

पिपराकोठी पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़, 5 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले की पिपराकोठी थाना पुलिस ने मानव तस्करी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान तस्करी के लिए ले जाई जा रही एक महिला को सुरक्षित रेस्क्यू भी किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 21 जून को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ पुरुष एवं महिलाएं मिलकर एक संगठित गिरोह के रूप में महिलाओं को बिहार से राजस्थान ले जाकर मानव तस्करी का कारोबार कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पिपराकोठी चौक पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने गिरोह के दो पुरुष एवं तीन महिला सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रेस्क्यू की गई महिला ने बताया कि उसे पैसों का लालच देकर तथा नशीला पदार्थ खिलाकर राजस्थान ले जाया जा रहा था। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने गिरोह के सदस्यों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। गिरफ्तार पुरुष आरोपियों की पहचान राजस्थान के झुंझुनू जिले निवासी मुरली मेघवाल एवं अजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। इस अभियान का नेतृत्व पिपराकोठी थानाध्यक्ष बृजेश कुमार ने किया। कार्रवाई में थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान भी शामिल रहे। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है तथा मानव तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा 24 जून को, 11 केंद्रों पर 7,097 अभ्यर्थी होंगे शामिल

स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में होगी परीक्षा : जिलाधिकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

अध्यक्ष, केंद्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती), बिहार, पटना से प्राप्त निर्देशों के आलोक में विज्ञापन संख्या- 01/2026 के तहत विशेष शाखा में सिपाही पद पर चयन हेतु प्रतियोगिता परीक्षा 24 जून 2026 (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। पूर्वी चंपारण जिले में परीक्षा के लिए कुल 11 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां 7,097 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे तक संचालित होगी। जिलाधिकारी ने केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा एवं जैमर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में घड़ी उपलब्ध रहे तथा समय का समुचित मिलान कर लिया जाए। साथ ही बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त स्टेटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल को सुबह 7:00 बजे तक अपने-अपने आवंटित केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ होगा तथा 9:00 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थी एक बार परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने के बाद दोनों पालियों की परीक्षा समाप्त होने पर ही बाहर निकल सकेंगे। कदाचार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभ्यर्थियों की तीन चरणों में फ्रिस्किंग की जाएगी। पहली जांच मुख्य द्वार पर, दूसरी परीक्षा केंद्र परिसर के भीतर तथा तीसरी जांच परीक्षा कक्ष में होगी। अभ्यर्थियों को केवल प्रवेश-पत्र के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। उन्हें पेन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। लेखन कार्य के लिए पेन परीक्षा कक्ष में ही उपलब्ध कराया जाएगा। ब्रीफिंग में बताया गया कि विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सशस्त्र बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। महिला अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग के लिए महिला कर्मियों की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, घड़ी, इरेज़र, शार्पनर अथवा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं गैजेट ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी अभ्यर्थियों को आवंटित रोल नंबर के अनुसार निर्धारित सीट पर बैठना अनिवार्य होगा। परीक्षा ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किसी भी कर्मी, पदाधिकारी अथवा दंडाधिकारी को भी अपने पास मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने की अनुमति नहीं होगी। सभी परीक्षा केंद्रों के 200 गज की परिधि में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-163 के तहत परीक्षा अवधि तक निषेधाज्ञा प्रभावी रहेगी। सदर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा परीक्षा केंद्रों के 200 गज के दायरे में संचालित सभी फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे को परीक्षा के दिन बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। परीक्षा केंद्रों पर मीडिया के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। परीक्षा को स्वच्छ एवं निष्पक्ष संचालन तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। यह नियंत्रण कक्ष परीक्षा के दिन दूरभाष संख्या 06252-242418 पर कार्यरत रहेगा। संयुक्त ब्रीफिंग में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. शिबगतुल्लाह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, डीपीओ (माध्यमिक शिक्षा) नित्याम कुमार गौरव सहित प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सभी केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

एम.एस कॉलेज में शोक सभा आयोजित, वरीय सहायक संजय प्रसाद को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के छात्रवृत्ति विभाग में कार्यरत वरीय सहायक संजय प्रसाद के आकस्मिक निधन से मुंशी सिंह महाविद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका निधन 20 जून 2026 को हो गया। वे जुलाई 1996 से महाविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे थे और अपने कर्तव्यनिष्ठ, विनम्र तथा सहयोगी स्वभाव के कारण शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यंत सम्मानित थे। दिवंगत संजय प्रसाद की पावन स्मृति में सोमवार, 22 जून 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे महाविद्यालय परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक़ सहित शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक़ ने अपने संबोधन में कहा कि संजय प्रसाद एक कर्मठ, अनुशासित और कर्तव्यपरायण कर्मचारी थे। उन्होंने निष्ठा एवं समर्पण के साथ लगभग तीन दशकों तक महाविद्यालय की सेवा की। उनका निधन महाविद्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। शोक सभा में डॉ. ए.के. रंजन, डॉ. जमुना राम, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. शफीकुर रहमान, डॉ. अमित कुमार, डॉ. मो. मशहूर अहमद, डॉ. रुपेश कुमार, डॉ. नागेंद्र दास, डॉ. आलोक कुमार पांडेय, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. अवनीश कुमार मिश्र, डॉ. खानम आफरीन, डॉ. दद्दन राम, डॉ. नितेश कुमार, डॉ. रूपकथा घोष, डॉ. रत्नेश कुमार, प्रमोद कुमार, शशिभूषण पाण्डेय, सुनील कुमार, राजेश कुमार, हर्षवर्धन कुमार, रुपेश कुमार गुप्ता, गौरव कुमार, ओम प्रकाश राय, रामप्रवेश, श्वेतांशु, संतोष कुमार, गुलाब रसूल एवं रणधीर कुमार सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके महाविद्यालय के प्रति अमूल्य योगदान को स्मरण किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा शोक-संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की गई। दुःख की इस घड़ी में महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों एवं कार्यालयीन कार्यों को स्थगित रखा गया। शोक सभा का समापन दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

मेहसी में एनएच- 28 पर भीषण सड़क हादसा, एक की मौत, तीन गंभीर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के मेहसी थाना क्षेत्र के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर सोमवार की अहले सुबह करीब 6:30 बजे दो मालवाहक ट्रकों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में एक चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर की तेज आवाज आसपास के इलाकों में कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक संख्या PB-05-AP-9791 मोतिहारी से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए विपरीत लेन में पहुंच गया और मुजफ्फरपुर से मोतिहारी की ओर आ रही ट्रक संख्या NK-01-AF-0563 से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनके परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक ट्रक के चालक राजा कुमार, पिता जोगबनी सिंह, निवासी पंजाब, की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दोनों वाहनों के चालक एवं उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मेहसी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. हरिंदर कुमार रवि ने बताया कि मृतक राजा कुमार पंजाब का निवासी था। घायलों की पहचान प्रदीप सिंह (पंजाब), मतलूब (25 वर्ष), पिता मुसाफिर, तथा बबल (20 वर्ष), पिता मुसाफिर, निवासी उत्तर प्रदेश, के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भयावह थी कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों के पुर्जे दूर-दूर तक बिखर गए। घटना के बाद क्षेत्र में चार लोगों की मौत की चर्चा भी होती रही, हालांकि पुलिस और प्रशासन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पदभार संभालते ही एक्शन मोड में दिखे नए जिलाधिकारी, विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

नवपदस्थापित जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। सोमवार को उन्होंने समाहरणालय मुख्य भवन स्थित स्थापना शाखा, नजारत शाखा, सामान्य शाखा तथा आपदा प्रबंधन शाखा का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शाखाओं में कार्यरत कर्मियों से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें आवंटित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यालय के प्रधान सहायक को कार्य पुस्तिका (लॉग बुक) का समुचित संधारण सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किस सहायक के पास कितना कार्य लंबित है तथा उसके निष्पादन की नियमित निगरानी की जा सकेगी। जिलाधिकारी ने कार्यालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखने, अनावश्यक व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने तथा कार्यालयी कार्य संस्कृति में अपेक्षित सुधार लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मी समय पर कार्यालय पहुंचें, बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करें तथा आम जनता से प्राप्त आवेदनों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभिन्न कार्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाएगा और कार्य निष्पादन की नियमित समीक्षा की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, वरीय उप समाहर्ता प्रेमलता, प्रभारी पदाधिकारी आपदा प्रबंधन अखिलेश कुमार तथा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश उपस्थित थे।

राजेपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2298.96 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद; एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले की राजेपुर थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 2298.96 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जबकि नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी जारी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राजेपुर थाना क्षेत्र के भगवानतिया गांव में एक ट्रक के माध्यम से शराब की खेप पहुंचाई गई है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली। जांच के दौरान ट्रक में लदे चीनी मिट्टी के कप-प्लेट के कार्टनों के नीचे छिपाकर रखी गई 261 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा 2298.96 लीटर आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने भगवानतिया निवासी लखींद्र राय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने शराब लदे ट्रक को भी जब्त कर लिया है। इस अभियान का नेतृत्व पकड़ीदयाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन ने किया। कार्रवाई में राजेपुर थानाध्यक्ष कुमार सौरभ सिंह, थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध शराब कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई को शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में शपथ ग्रहण व जागरूकता कार्यक्रम

बीएनएम@ मोतिहारी, पूर्वी चंपारण

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जीविका समूहों में नशामुक्ति के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, जीविका दीदियों तथा स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लेकर नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज की प्रगति में बड़ी बाधा है तथा विशेष रूप से युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से बचाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान लोगों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। उपस्थित लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई। जिला प्रशासन ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि समाज के सभी वर्गों तक नशामुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके और स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण हो सके।

बदलते जलवायु परिदृश्य में धान की सीधी बुआई किसानों के लिए लाभकारी तकनीक : डॉ. अंशू गंगवार

बीएनएम@ मोतिहारी

जलवायु परिवर्तन और घटते जल संसाधनों के बीच धान की सीधी बुआई (डीएसआर) तकनीक किसानों के लिए एक प्रभावी एवं संसाधन-संरक्षण विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), परसौनी के कृषि अभियंत्रण विशेषज्ञ डॉ. अंशू गंगवार ने बताया कि पारंपरिक धान रोपाई पद्धति की तुलना में डीएसआर तकनीक से 20 से 25 प्रतिशत तक जल की बचत संभव है, साथ ही श्रम एवं उत्पादन लागत में भी उल्लेखनीय कमी आती है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक में नर्सरी तैयार करने, पौध उखाड़ने और रोपाई कराने की आवश्यकता नहीं होती। धान के बीजों की सीधी बुआई खेत में डीएसआर सीड ड्रिल, जीरो टिल-सह-फर्टि सीड ड्रिल, सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से की जाती है। डीएसआर तकनीक मुख्य रूप से सूखी सीधी बुआई और गीली सीधी बुआई दो विधियों से अपनाई जाती है। डॉ. गंगवार के अनुसार सूखी सीधी बुआई में खेत में पर्याप्त नमी होने पर मशीनों से बीजों की बुआई की जाती है और बाद में सिंचाई की जाती है। वहीं गीली सीधी बुआई में नमीयुक्त भूमि में अंकुरित बीजों की बुआई ड्रम सीडर की मदद से की जाती है। उन्होंने बताया कि बुआई के दौरान बीजों को 2 से 3 सेंटीमीटर गहराई पर बोना चाहिए। मशीन से बुआई करते समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 18 से 22 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 5 से 10 सेंटीमीटर रखना उपयुक्त माना जाता है। प्रति एकड़ 8 से 10 किलोग्राम बीज दर की अनुशंसा की जाती है। डीएसआर तकनीक में खरपतवार प्रबंधन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि बुआई के तुरंत बाद पेण्डिमेथिलीन जैसे प्री-इमर्जेंस शाकनाशी का प्रयोग तथा 20 से 25 दिनों बाद अनुशंसित शाकनाशी का छिड़काव आवश्यक है। इस तकनीक से तैयार धान सामान्य रोपित धान की तुलना में 10 से 15 दिन पहले पक जाता है, जिससे रबी फसलों की समय पर बुआई संभव होती है और फसल प्रणाली की उत्पादकता बढ़ती है। मृदा वैज्ञानिक डॉ. आशीष राय ने किसानों को सलाह दी कि बुआई से पूर्व धान के बीजों को 12 से 24 घंटे तक पानी में भिगोकर रखें तथा ऊपर तैरने वाले बीजों को अलग कर दें। शेष बीजों को छाया में फैलाकर कीटनाशक और फफूंदनाशी से उपचारित करने के बाद नैनो डीएपी की 4 से 5 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करना लाभकारी होता है। उन्होंने बताया कि इससे बीजों को प्रारंभिक अवस्था में नाइट्रोजन एवं फास्फोरस की उपलब्धता बढ़ती है, जिससे अंकुरण तेजी से होता है और पौधों की वृद्धि बेहतर होती है। उन्होंने यह भी बताया कि नैनो डीएपी का छिड़काव धान में कल्ले निकलने की अवस्था में करने से कल्लों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलती है। रामगढ़वा प्रखंड के अहिरौलिया गांव के किसान सत्यदेव प्रसाद कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में धान की सीधी बुआई तकनीक अपना रहे हैं और इससे अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

आंधी-बारिश से किसानों के चेहरे खिले, गर्मी से मिली राहत

बीएनएम@ तुरकौलिया। सोमवार शाम आई आंधी और बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है। लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण फसलें सूखने लगी थीं और किसान पंपसेट व विद्युत मोटर से सिंचाई कर किसी तरह फसलों को बचाने में जुटे थे। बारिश होने के बाद किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। वहीं भीषण गर्मी से भी लोगों को राहत मिली है। किसानों ने बताया कि लगातार पड़ रही गर्मी और बारिश के अभाव में खेतों की नमी तेजी से खत्म हो रही थी। सिंचाई के एक-दो दिन बाद ही खेत सूख जा रहे थे तथा खेतों और सड़कों पर धूल उड़ रही थी। बारिश के बाद फसलों को पर्याप्त नमी मिली है, जिससे उनकी वृद्धि में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि बारिश ने राहगीरों की परेशानी भी बढ़ा दी। कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। मोतिहारी-अरेराज मुख्य पथ पर बोरिंग चौक से स्टेट बैंक तक सड़क पर पानी जमा हो गया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में भी जलजमाव देखने को मिला। आंधी के साथ बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। तेज हवा शुरू होने से पहले ही बिजली कट गई थी और बारिश रुकने के काफी देर बाद तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। इससे दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को भोजन बनाने में भी दिक्कत हुई। किसान राजेंद्र सिंह, चंद्रिका सिंह, विजय कुमार, मुन्ना सिंह और अजित कुशवाहा ने बताया कि करेला, परवल, कद्दू और मिर्च की फसलें पानी की कमी से प्रभावित हो रही थीं। फसलों के पत्ते पीले पड़ने लगे थे और धान के बिचड़े भी सूखने की कगार पर पहुंच गए थे। सिंचाई के बावजूद बिचड़ों की बढ़वार प्रभावित हो रही थी। किसानों का कहना है कि लंबे अंतराल के बाद हुई इस बारिश से फसलों में नई जान आ गई है और खेती-किसानी के लिए बेहतर माहौल बना है। यदि आगे भी समय पर वर्षा होती रही तो खरीफ फसलों की स्थिति में और सुधार होगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत, एक घायल

बीएनएम@ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गदरिया के समीप सोमवार देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा उसका परिजन गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज चल रहा है। मृतका की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के हरपुर राय गांव निवासी मुस्तफा मियां की 45 वर्षीय पत्नी कमरून नेशा उर्फ बेबी खातून के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कमरून नेशा अपने एक परिजन के साथ इलाज कराने मोतिहारी के एक निजी अस्पताल गई थीं। इलाज के बाद दोनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान लक्ष्मीपुर गदरिया के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने कमरून नेशा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल युवक का उपचार जारी है। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी भूमि की दाखिल-खारिज में होगी जांच : मंत्री

बीएनएम@ पटना। राज्य में सरकारी भूमि की सुरक्षा और भूमि अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के प्रत्येक मामले के निष्पादन से पहले संबंधित जमाबंदी का सरकारी भूमि अभिलेखों से अनिवार्य रूप से मिलान किया जाए। इसका उद्देश्य सरकारी भूमि पर गलत तरीके से जमाबंदी कायम होने की संभावना को समाप्त करना तथा सरकारी संपत्तियों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी भूमि की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में यह पाया गया है कि दाखिल-खारिज की प्रक्रिया के दौरान सरकारी भूमि से संबंधित अभिलेखों का समुचित मिलान नहीं होने के कारण भविष्य में विवाद उत्पन्न होते हैं तथा सरकारी भूमि पर गलत जमाबंदी कायम होने की आशंका बनी रहती है। अब ऐसी किसी भी चूक की संभावना को समाप्त करने के लिए विभागीय स्तर पर स्पष्ट व्यवस्था लागू की गई है।डॉ. जायसवाल ने कहा कि राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक आधारित निगरानी को मजबूत करना विभाग की प्राथमिकता है। बिहारभूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण और ऑनलाइन सत्यापन व्यवस्था न केवल सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि आम नागरिकों के हितों की भी रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सरकारी भूमि का एक-एक इंच सुरक्षित रहे और किसी भी प्रकार की अनियमितता या त्रुटिपूर्ण जमाबंदी की संभावना समाप्त हो। इसके लिए विभाग लगातार तकनीकी सुधार, निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

निशांत कुमार के समर्थन में खुलकर सामने आए जेडीयू नेता

बीएनएम@ पटना। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की हालिया बैठक के बाद बिहार की राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने खुलकर निशांत कुमार के प्रति समर्थन जताया है, जिससे जेडीयू के भविष्य के नेतृत्व को लेकर नए राजनीतिक संकेत मिल रहे हैं। बैठक के दौरान राज्य के वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आने वाले समय में पार्टी की कमान निशांत कुमार के हाथों में हो सकती है। उन्होंने उनके नेतृत्व और क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि पार्टी का पूरा संगठन उनके साथ खड़ा रहेगा। इससे पहले जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी सार्वजनिक रूप से निशांत कुमार के पक्ष में बयान दे चुके हैं। लगातार आ रहे इन बयानों को राजनीतिक विश्लेषक जेडीयू में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। हालांकि पार्टी की ओर से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के लगातार समर्थन ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा को और तेज कर दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एक ओर जेडीयू भविष्य के नेतृत्व को लेकर संकेत दे रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार संवेदनशील मामलों में निष्पक्ष जांच का संदेश देकर अपनी प्रशासनिक छवि को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में जेडीयू की रणनीति और बिहार की राजनीति दोनों पर सबकी नजरें बनी रहेंगी।

70वीं बीपीएससी में 101 अति पिछड़े अभ्यर्थी बने अधिकारी

मुख्यमंत्री सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना का कमाल

बीएनएम@ पटना। मुख्यमंत्री अत्यंत पिछड़ा वर्ग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के युवाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की ओर से घोषित 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के अंतिम परिणाम में योजना के तहत लाभ प्राप्त करने वाले 101 अभ्यर्थी अंतिम रूप से चयनित हुए हैं। विभाग के अनुसार, 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए योजना के अंतर्गत कुल 2164 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 2095 योग्य अभ्यर्थियों को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि उनके बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित कर दी गई थी। प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाले इन 2095 अभ्यर्थियों में से 386 मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफल रहे। अंतिम साक्षात्कार के बाद 101 अभ्यर्थियों ने मेधा सूची में स्थान बनाया। इन 101 सफल अभ्यर्थियों में 14 बिहार प्रशासनिक सेवा और 12 बिहार पुलिस सेवा में चयनित हुए हैं, जबकि शेष अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं में नियुक्त हुए हैं।

गर्मी की छुट्टी के बाद विद्यालय पहुंचे छात्रों का टाई-बेल्ट देकर हुआ स्वागत

बीएनएम@ पताही

गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद सोमवार को विद्यालय खुलने पर पीएम श्री उच्च विद्यालय, जिहुली में छात्र-छात्राओं का विशेष रूप से स्वागत किया गया। विद्यालय प्रशासन की ओर से विद्यार्थियों के बीच टाई एवं बेल्ट का वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों में अनुशासन, एकरूपता तथा विद्यालय के प्रति आत्मीयता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से टाई और बेल्ट का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवं नैतिक मूल्यों के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, समय का सदुपयोग करने तथा पूरी लगन और मेहनत के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। टाई एवं बेल्ट प्राप्त कर छात्र-छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नए उत्साह और ऊर्जा के साथ पढ़ाई शुरू करने की बात कही। वहीं अभिभावकों ने भी विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और विद्यालय के प्रति लगाव बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यालय में विद्यार्थियों की अच्छी उपस्थिति दर्ज की गई और शैक्षणिक गतिविधियां सुचारु रूप से प्रारंभ हो गईं। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं में मो. परवेज आलम, विकास कुमार, मो. जमील हुसैन, अनंत बैठा, राजन कुमार, सुनीता कुमारी, नीता कुमारी, अपराजिता कुमारी, नेहा रानी, आशुतोष कुमार गर्ग, लाल बहादुर कुमार, मोजाहिर हुसैन तथा परिचारी खुशाल कुमार उपस्थित रहे।

मुहर्रम को लेकर बगहा पुलिस अलर्ट, विभिन्न थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक

बीएनएम@ बगहा

आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बगहा पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा शांति समिति के सदस्यों ने भाग लेकर पर्व की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुहर्रम के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने, जुलूस मार्गों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आपसी समन्वय तथा सामाजिक सौहार्द कायम रखने जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से पर्व के दौरान शांति एवं भाईचारे का वातावरण बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। शांति समिति के सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे। प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रशासन ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। अधिकारियों ने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने बताया कि मुहर्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है। बगहा पुलिस ने आम नागरिकों से सामाजिक सद्भाव बनाए रखने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत स्थानीय पुलिस से संपर्क करने की अपील की है।

राजकीय मध्य विद्यालय खगनी में आग लगने से एक दर्जन बेंच-डेस्क जले

बीएनएम@ तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय खगनी में सोमवार शाम अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आगलगी की इस घटना में करीब एक दर्जन बेंच-डेस्क जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। ग्रामीणों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार को विद्यालय में नियमित रूप से पठन-पाठन कार्य हुआ और दोपहर करीब साढ़े बारह बजे छुट्टी के बाद बच्चे एवं शिक्षक अपने-अपने घर चले गए। शाम करीब चार बजे विद्यालय परिसर से धुआं और आग की लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि बरामदे में रखे बेंच-डेस्क धू-धू कर जल रहे हैं। बरामदे में लगा बिजली का तार भी जल चुका था। ग्रामीणों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दौरान कई बेंच-डेस्क को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि करीब एक दर्जन बेंच-डेस्क आग की भेंट चढ़ गए। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। ग्रामीणों ने कहा कि यदि यह घटना विद्यालय संचालन के दौरान होती तो बड़ा हादसा हो सकता था और बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण सिंह ने बताया कि घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा दी गई है। आगलगी से हुई क्षति का आकलन किया जा रहा है तथा मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी दी जाएगी।

बगहा पुलिस कार्यालय में जन सुनवाई, शिकायतों के त्वरित निष्पादन का आश्वासन

बीएनएम@ बगहा

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बगहा में सोमवार को आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निष्पादन कराया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने बताया कि जन शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान के लिए पुलिस प्रशासन प्रतिबद्ध है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, पुलिस कार्यालय बगहा में प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जन सुनवाई का आयोजन किया जाता है। इस दौरान नागरिक अपनी समस्याएं सीधे पुलिस अधिकारियों के समक्ष रख सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जन सुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना तथा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है। बगहा पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की शिकायत या समस्या होने पर जन सुनवाई में पहुंचकर अपनी बात रखें, ताकि उसका विधिसम्मत समाधान किया जा सके।

फर्जी फाइनेंस कंपनी बना पुलिसकर्मियों से 6 करोड़ की ठगी, दंपती गिरफ्तार

बीएनएम@ पटना

राजधानी पटना में एक बड़े निवेश घोटाले का खुलासा हुआ है। कोतवाली थाना क्षेत्र में फर्जी फाइनेंस कंपनी चलाकर बिहार पुलिस के जवानों और उनके परिजनों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में एक दंपती को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर करीब 27 पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों से लगभग 6 करोड़ रुपये की रकम जुटाई थी।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशुतोष कुमार सिंह और उसकी पत्नी रीतु सिंह के रूप में हुई है। दोनों कदमकुआं थाना क्षेत्र के लोहानीपुर के निवासी बताए जा रहे हैं।पुलिस के अनुसार आशुतोष कुमार सिंह ने कोतवाली क्षेत्र स्थित डुमरांव कॉम्प्लेक्स में एक फर्जी फाइनेंस कंपनी का कार्यालय खोल रखा था। दंपती निवेशकों को कम समय में अधिक मुनाफा देने का भरोसा दिलाकर पैसे जमा कराते थे। शुरुआती दौर में कुछ निवेशकों को समय पर रिटर्न देकर उनका विश्वास भी जीता गया।जांच में सामने आया है कि आरोपित मुख्य रूप से पुलिसकर्मियों को निशाना बनाते थे। उन्हें फोन कर आकर्षक निवेश योजनाओं की जानकारी दी जाती थी। जब निवेशकों का भरोसा बन जाता था और वे बड़ी राशि जमा कर देते थे, तब आरोपित कथित तौर पर दफ्तर बंद कर संपर्क समाप्त कर देते थे।पुलिस का कहना है कि ठगी के लिए "चेन सिस्टम" का भी इस्तेमाल किया गया। एक निवेशक को जोड़ने के बाद उसे अपने परिचितों और सहकर्मियों को निवेश के लिए प्रेरित करने को कहा जाता था। इसी तरह कई पुलिसकर्मी और उनके परिजन इस जाल में फंसते चले गए।जब निवेशकों को तय मुनाफा मिलना बंद हो गया और कार्यालय बंद मिला, तब उन्हें ठगी का संदेह हुआ। इसके बाद पीड़ितों ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि दंपती के बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगी की कुल राशि कितनी है और क्या इस नेटवर्क में अन्य लोग भी शामिल थे।गिरफ्तारी के बाद और भी पीड़ित सामने आ रहे हैं। पुलिस का अनुमान है कि शिकायतकर्ताओं की संख्या बढ़ सकती है। मामले में आगे की जांच जारी है और आर्थिक अपराध के अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

हत्या के प्रयास मामले में चार अभियुक्त दोषी, तीन को 7 वर्ष और एक को 3 वर्ष की सजा

बीएनएम@ बगहा

हत्या के प्रयास से जुड़े एक पुराने आपराधिक मामले में न्यायालय ने चार अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह निर्णय बगहा पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों की गवाही एवं समर्पित आरोप पत्र के आधार पर दिया गया। जानकारी के अनुसार, भैरोगंज थाना कांड संख्या-173/10, धारा 341, 323, 324, 326, 307, 337, 504 एवं 34 भादवि से संबंधित मामले की सुनवाई माननीय एडीजे-2, पश्चिम चंपारण के न्यायालय में चल रही थी। मामला भैरोगंज थाना क्षेत्र के करपरिया गांव का था, जिसमें रेशम राम, हरिराम, श्रीराम एवं लालमुनी देवी को अभियुक्त बनाया गया था। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। कांड की निगरानी बगहा पुलिस अधीक्षक स्तर से की जा रही थी। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर सभी अभियुक्तों को दोषी पाया। न्यायालय ने लालमुनी देवी को धारा 326 एवं 323 के तहत तीन वर्ष के कठोर कारावास तथा 5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं हरिराम, रेशम राम एवं श्रीराम को धारा 326 एवं 323 सहपठित धारा 34 के तहत सात वर्ष के कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर अतिरिक्त तीन माह के साधारण कारावास की सजा भी भुगतनी होगी। अभियुक्तों को सजा दिलाने में अपर लोक अभियोजक कमलेश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बगहा पुलिस ने न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी अनुसंधान एवं सशक्त अभियोजन की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और अपराधियों को कानून के अनुसार दंड दिया जा सके।

शेखपुरा कांग्रेस में संगठन विस्तार की शुरुआत

» छह प्रखंड अध्यक्षों की घोषणा से कार्यकर्ताओं में उत्साह

बीएनएम@ शेखपुरा

जिला कांग्रेस आश्रम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष आनंदी कुमार यादव ने जिले के सभी छह प्रखंडों के लिए नए प्रखंड अध्यक्षों के नामों की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता राहुल कुमार ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों एवं ओबीसी जिलाध्यक्ष का माला और अंगवस्त्र देकर स्वागत एवं सम्मान किया। सूची के अनुसार बरबीघा प्रखंड अध्यक्ष के रूप में दीपक सिंह, शेखोपुरसराय से शंकर प्रसाद उर्फ भैया जी, शेखपुरा सदर से संजय सिंह, घाटकुसुम्भा से अमीर मंडल, चेवाड़ा से गोरेलाल महतो तथा अरियरी से प्रमोद यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम में अति पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष पप्पू राज मंडल भी मौजूद रहे। अपने संबोधन में आनंदी कुमार यादव ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। वहीं राहुल कुमार ने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि छह प्रखंडों में नए नेतृत्व के गठन से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। उनव-नियुक्त प्रखंड अध्यक्षों ने 15 दिनों के भीतर अपनी कार्यकारिणी गठित करने तथा पंचायत स्तर तक कांग्रेस कमेटियों के गठन का संकल्प लिया।

पीडीएस राशन के दुरुपयोग में शिक्षक पर कार्रवाई, कार्ड रद्द; 52,784 रुपये वसूली का आदेश

बीएनएम@ तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के राशन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। मामले की जांच के बाद प्रशासन ने एक शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनका राशन कार्ड रद्द कर दिया है तथा तीन वर्षों तक उठाए गए राशन के एवज में 52,784 रुपये की वसूली का आदेश जारी किया है। जानकारी के अनुसार, माधोपुर निवासी जैद अहमद कोटवा प्रखंड के मध्य विद्यालय मच्छरगवा में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। सरकारी सेवा में होने के कारण वे पीडीएस के तहत राशन प्राप्त करने के पात्र नहीं थे। आरोप है कि इसके बावजूद उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक जन वितरण प्रणाली की दुकान से राशन का उठाव किया। मामले की जानकारी मिलने के बाद जांच कराई गई। जांच में अनियमितता सामने आने पर सदर एसडीओ के निर्देश पर संबंधित शिक्षक का राशन कार्ड रद्द कर दिया गया। साथ ही पिछले तीन वर्षों में उठाए गए राशन की राशि की वसूली का आदेश दिया गया है। प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) साकेत कुमार ने बताया कि शिक्षक द्वारा पीडीएस योजना का लाभ लेना सरकारी नियमों के विरुद्ध था। इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए 52,784 रुपये की वसूली का आदेश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित शिक्षक को एक सप्ताह के भीतर उक्त राशि सरकारी कोषागार (ट्रेजरी) में जमा करने का निर्देश दिया गया है। एमओ ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर राशि जमा नहीं करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नीलाम पत्र वाद दायर कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग के मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित

2024 में देश में कुल जितनी मौतें हुईं, उनमें से 45.5 प्रतिशत लोग बिना किसी इलाज के काल-कवलित हुए। गांवों में ये आंकड़ा 48.9 फीसदी रहा। ये आंकेड़े बदतर होते हालात की झलक देते हैं। चौंकाने वाला यह आंकड़ा संकेत है कि किस तरह आम लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होते जा रहे हैं। इसके मुताबिक 2024 में देश में कुल जितनी मौतें हुईं, उनमें से 45.5 प्रतिशत लोग बिना किसी इलाज के काल-कवलित हुए। गांवों में ये आंकड़ा 48.9 फीसदी रहा। सरकार की सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) सांख्यिकी रिपोर्ट में शामिल ये आंकेड़े बदतर होते हालात की झलक देते हैं। गौरतलब है कि 2020 में इलाज से वंचित रहते हुए मरे लोगों की संख्या 18 प्रतिशत थी। एसआरएस रिपोर्ट में उन व्यक्तियों की मौत को बिना इलाज की श्रेणी में रखा जाता है, जो मृत्यु के समय प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी की देखभाल में नहीं थे। ऐसी मौतों की संख्या में तेज वृद्धि को लेकर विशेषज्ञ भी भौंचक हैं। उनके मुताबिक कारण स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव, इलाज का महंगा हो जाना या फिर आंकड़ा जुटाने की विसगंतियां हो सकती हैं। मगर विसंगतियों की बात एक दूसरे आंकड़े से कमजोर नजर आने लगती है। इसके मुताबिक 2024 में कुल मौतों के बीच सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के अस्पतालों में हुई मौत का जो अनुपात रहा, वह 2014 की संख्या के आसपास ही है। मतलब यह कि इस दौर में अस्पताल सेवाओं का ऐसा विस्तार नहीं हुआ, जो आम जन को सुलभ हो। अब जरूरत इस बात की है कि एसआरएस सांख्यिकी रिपोर्ट से मिले संकेतों की अधिक गहराई से पड़ताल की जाए। मगर मौजूदा सरकार का जो नजरिया है, उसके बीच ऐसा होने की उम्मीद कम ही है। संभवतः अप्रिय तथ्यों से बचने के प्रयास का ही यह उदाहरण है कि नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस)-6 की जारी रिपोर्ट में रक्तक्षीणता (एनिमिया), पांच वर्ष से कम उम्र में होने वाली मौतों, शौचालय और स्वच्छ रसोई गैस की उपलब्धता आदि से संबंधित आंकड़े नहीं दिए गए हैं। एनएचएफएस-5 से सामने आया था कि 15-49 वर्ष उम्र वर्ग में 57 फीसदी महिलाएं एनिमिया ग्रस्त हैं। ये स्थितियां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और आम पालन-पोषण बढ़ी गैर-बराबरी और बड़ी संख्या लोगों के वंचित होते जाने का संकेत हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये हकीकतें आम बहस से दूर बनी रहती हैं।

आकांक्षाओं का गणितः भारत में रोजगार का सवाल अब स्थिरता पर क्यों निर्भर है

डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

जब 1954 में सर आर्थर लुईस ने गरीब अर्थव्यवस्थाओं के अमीर बनने की परिघटना को समझाने का काम शुरू किया, तो उन्होंने विकास की मुख्य प्रक्रिया को पूंजी के संचय के रूप में नहीं बल्कि कामगारों के जीवन-निर्वाह वाली खेती से हटकर अधिक कमाई वाले उद्योगों एवं सेवा क्षेत्रों की ओर मुड़ने के तौर पर पहचाना। उनका यह अनुमान बिल्कुल ही सही था कि यही बदलाव देर से औद्योगीकरण करने वाले हर देश का भविष्य तय करेगा। आज भारत ठीक इसी मोड़ पर खड़ा है और नीति-निर्माताओं के सामने सवाल पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध कराने भर का नहीं है। बल्कि, उनके सामने इससे भी अधिक अहम सवाल यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसी नौकरियां पैदा करने की स्थिति में है या नहीं जो पर्याप्त तादाद में हों, औपचारिक हों और एक युवा कामगार को जीवन भर बढ़ती उत्पादकता एवं सुरक्षा दे सकने लायक टिकाऊ हों।

इस जिम्मेदारी के भार को काफी सटीकता से बताया जा सकता है। 'आर्थिक समीक्षा 2023-24ó ने 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे)ó और आबादी से जुड़े अनुमानों के आधार पर यह अनुमान लगाया है कि इस दशक की बाकी अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था को हर वर्ष लगभग 78.5 लाख गैर-कृषि नौकरियां सृजित करनी होंगी। यह आंकड़ा दो बढ़ते दबावों का नतीजा हैः पहला, कामकाज के क्षेत्र में लोगों की भागीदारी बढ़ने के साथ श्रमशक्ति में हो रही लगातार बढ़ोतरी; और दूसरा, संरचनात्मक बदलाव के कारण खेती से बाहर आने वाले कामगार। रोजगार में खेती की हिस्सेदारी अभी भी लगभग 46 प्रतिशत है। वर्ष 2047 तक इस हिस्सेदारी के घटकर एक-चौथाई तक आ जाने की संभावना है।

जुलाई 2025 में केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई और उसके अगले महीने से शुरू हुई 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजनाó उस अंतर को पाटने की अब तक की सबसे सोची-समझी कोशिश है। इस योजना के तहत, जुलाई 2027 तक की दो वर्षों की अवधि में 3.5 करोड़ से अधिक औपचारिक नौकरियां सृजित करने हेतु 'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ)ó के जरिए 99,446 करोड़ रुपये लगाए जा रहे हैं। ईपीएफओ में पंजीकृत किसी कंपनी में पहली बार शामिल होने वाला और महीने में एक लाख रुपये से कम कमाने वाला कामगार, दो किस्तों में कुल 15,000 रुपये तक पाने का हकदार बन जाता है। दूसरी किस्त वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम (फाइनेंशियल लिटरेसी कोर्स) करने पर और बचत (सेविंग्स) के तौर पर मिलती है। वहीं, निर्धारित आधार-रेखा (बेसलाइन) से अधिक लोगों को नौकरी पर रखने वाले नियोक्ताओं को हर नए कामगार के लिए महीने में 3,000 रुपये तक

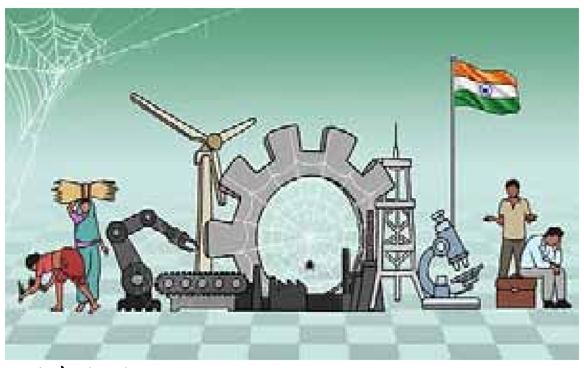

मिलते हैं। ये शर्तें कुछ इस तरह तय की गई हैं कि छोटी कंपनियां भी इसके दायरे से बाहर हो जाने के बजाय इसमें शामिल हो सकें।

यह योजना भर्ती संबंधी सब्सिडी वाले आम व निराशाजनक तरीकों से इसलिए अलग और बेहतर है क्योंकि इसमें पहला लाभ मिलने से पहले छह महीने तक लगातार नौकरी करना आवश्यक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहली बार काम करने वाले को नौकरी पर रखने का लाभ तभी मिलता है जब वह कर्मचारी काम में कुशल बन जाए और टिका रहे। यह शर्त शुरुआती भर्ती को एक पक्की प्रतिबद्धता में बदल देती है, जिससे नियोक्ता को प्रशिक्षण की लागत वसूलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है और कर्मचारी को भी उतने महीने मिल जाते हैं जिनमें वह असली हुनर सीख सके और भरोसेमंद रिकॉर्ड बना सके। इस तरह, यह योजना केवल नौकरी देने के लिए नहीं बल्कि कर्मचारी को बनाए रखने की अपेक्षाकृत अधिक कठिन प्रक्रिया के लिए पुरस्कृत करती है और इसके बाद कर्मचारी के पास रोजगार क्षमता एक ऐसा ट्रैक रिकॉर्ड होता है जिसका वह कहीं भी सदुपयोग कर सकता है।

इस योजना का सबसे अधिक झुकाव मैन्यूफैक्चरिंग की ओर है, जहां नियोक्ता को मिलने वाला प्रोत्साहन दो वर्ष के बजाय चार वर्ष तक मिलता है। समय-सीमा को दोगुनी करने का यह निर्णय औद्योगिक क्षमता तैयार होने में लगने वाले अधिक समय को ध्यान में रखकर लिया गया है। साथ ही, इससे निर्माता (मैन्यूफैक्चरर) समय से पहले स्वचालित व्यवस्था (ऑटोमेशन) लाकर कामगारों को हटाने के बजाय श्रमशक्ति बढ़ाने की ओर प्रेरित होते हैं। अहम बात यह है कि सरकार ने इसे देश को वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग केन्द्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दृष्टि से जरूरी माना है। ईपीएफओ के जरिए, हर नए कामगार को एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिलता है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा का पहली बार अहसास होता है। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले बहुत कम कामगारों को यह सुरक्षा मिल पाती है। इस योजना के शुरुआती नतीजे बेहद उत्साहजनक रहे हैं। इसके शुरू होने के बाद से लगभग 60 लाख नए कर्मचारी नामांकित हुए हैं। इनमें से अधिकतर 30 वर्ष से कम आयु के हैं और 18 लाख से अधिक महिलाएं हैं। वहीं, लगभग 1.77 लाख प्रतिष्ठानों ने 66 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। इन प्रतिष्ठानों में कई ऐसी छोटी कंपनियां शामिल हैं, जहां लंबे समय से अनौपचारिक काम का बोलबाला रहा है। हालांकि, एक अच्छी शुरुआत को पूरी तरह से सफल बदलाव मान लेना नासमझी होगी। इस योजना में धोखाधड़ी में शामिल कंपनियों को बाहर रखने, हर छह महीने में इलेक्ट्रॉनिक रिटर्न के जरिए यह सुनिश्चित करना कि नौकरी सिर्फ कागजों के बजाय असल में बनी हुई है और भुगतान की स्वचालित प्रणाली जैसी कई अच्छी बातें हैं। ये सभी खूबियां इस बात को दर्शाती हैं कि योजनाकारों को इस बात का अहसास है कि ऐसी योजना में उन भर्तियों को लाभ नहीं मिलना चाहिए जो अन्यथा भी हो जातीं। इसकी असली सफलता पहले वर्ष में नामांकित लोगों के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से पता चलेगी कि वे नौकरियां उस प्रोत्साहन के समाप्त होने के बाद भी बनी रहती हैं या नहीं और इससे पैदा होने वाली मांग को पूरा करने के लिए काम के लायक युवा मौजूद हैं या नहीं। इसीलिए, इस योजना की सफलता कौशल को सिखाने में किए जा रहे निवेश से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

यह याद रखना ज़रूरी है कि बेरोजगारी सिर्फ आमदनी से ही वंचित नहीं करती, बल्कि यह लोगों के हुनर, आत्म-सम्मान और समाज में उनकी हैसियत को भी कमजोर करती है। वोल्टेयर ने भी यही बात कही थी जब उन्होंने कैंडिड के जरिए यह निष्कर्ष दिया था कि काम करने से तीन बड़ी समस्याएं - बोरियत, बुराई और अभाव - दूर रहती हैं। इस तरह की योजना की अहमियत इसलिए है क्योंकि यह रोजगार के सही और संपूर्ण मतलब को समझती है। यह औपचारिक नौकरी को सिर्फ गिनती के आंकड़े के तौर पर नहीं, बल्कि कामकाजी जीवन की पहली सुरक्षित सीढ़ी के तौर पर देखती है। अब जबकि भारत 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है, तो चुनौती इस बात की है कि इस योजना में दिखाई गई धैर्य की भावना को बनाए रखा जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि युवाओं को सार्थक रोजगार, जिसे प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय परियोजना के केन्द्र में रखा है, कुछ समय के प्रोत्साहन तक सीमित रहने के बजाय एक पूरी पीढ़ी के लिए टिकाऊ, उत्पादक और सम्मानजनक काम के रूप में मिले।

(लेखक भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026ः स्वस्थ जीवन और विकसित भारत का आधार बनेगा योग

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर

-योग फॉर हेल्दी एजिंगः स्वस्थ और सक्रिय जीवन की दिशा में एक कदम

भारत में प्राचीन काल से ही योग हमारी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋषि-मुनियों, योगियों और संतों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। भारतीय ज्ञान परंपरा की यह अमूल्य धरोहर आज विश्वभर में स्वास्थ्य और कल्याण का पर्याय बन चुकी है। इसी विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की, जो आज विश्वव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग) रखी गई है। यह थीम योग के माध्यम से जीवन के प्रत्येक चरण में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का संदेश देती है। योग न केवल रोगों से बचाव का प्रभावी माध्यम है, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली की आधारशिला भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में योग आज विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। प्रधानमंत्री का मानना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाकर परिवार समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनता है इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर का मुख्य आयोजन कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है जहां

प्रधानमंत्री स्वयं योगाभ्यास का नेतृत्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबिकापुर में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं योगाभ्यास में सहभागिता करेंगे और प्रदेशवासियों को नियमित योग अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगे। राज्य सरकार द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय का मानना है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। यही कारण है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य संवर्धन और जनजागरूकता अभियानों में योग को विशेष महत्व दे रही है।

प्राकृतिक संसाधनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में योग का संदेश लोगों के जीवन से सहज रूप से जुड़ता है। प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली योग के मूल सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करती है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और शासकीय संस्थानों में नियमित योग गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, अनियमित जीवनशैली और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास शरीर को निरोग, मन को शांत और जीवन को संतुलित बनाता है। यह व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि योग को केवल एक दिवस का आयोजन न मानकर दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को अपनाना समय की आवश्यकता है। आइए, योग के माध्यम से स्वस्थ छत्तीसगढ़, विकसित भारत और समृद्ध विश्व के निर्माण में अपना योगदान दें।

लेखकउप संचालक, जनसंपर्करायपुर हैं

मेष राशि : आज आपके सोचे हुए सारे काम पूरे हो जाएंगे। जो काम रुके हुये थे वो आज मन-मुताबिक पूरे होंगे। इस राशि के बिजनेसमैन अगर किसी नये बिजनेस को शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज से इसकी शुरूआत कर दें साथ ही फायदे के कुछ नये सौदे भी हाथ आएंगे। स्वास्थ्य आज फिट रहेगा। करियर के मामले में कुछ नई उपलब्धियां मिलेंगी। शुभ अंक- 4

वृष राशिः आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको आपके सभी क्षेत्रों में सफलता के योग बन रहे हैं। पारिवारिक सौहार्द में बढ़ोतरी होगी। शांति पूर्ण माहौल में अपनों के साथ समय बिताएंगे। आय के कुछ नये स्रोत मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनेगी। ऑफिस के कार्यों से आज भागदौड़ लगी रहेगी। शुभ अंक- 2

मिथुन राशि : आपके लिए आज का दिन रोज से अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपकी बात करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। आपकी तरक्की के चांसेस बढ़ेंगे। नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। वेतन वृद्धि के योग हैं। काम का बोझ बढ़ने से ऑफिस से आप देर से निकलेंगे। अपने खान-पान का ध्यान रखें। शुभ अंक- 5

कर्क राशि : आपके लिए आज का दिन प्रसन्नता लेकर आएगा। आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ किसी तरह के वहस करने से बचें। आपको आपकी मेहनत के अनुकूल परिणाम मिलेंगे। जिससे आपका मन खुश रहेगा। आपको मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप कुछ नए मित्र भी बनाएंगे। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। शुभ अंक- 2

सिंह राशि : आज आपका दिन नई उम्मीद लेकर आएगा। आपके काम करने की क्षमता बढ़ेगी। नौकरी करने वालों के लिए प्रमोशन के योग बन रहें हैं। साथ ही आपका ट्रांसफर मनपसंद जगह पर हो सकता है। आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे लोगों को उत्तम परिणाम मिलने के योग हैं। शुभ अंक- 4

कन्या राशि : आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी अच्छी कम्पनी से जॉब का ऑफर आएगा। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मिलाने के योग बने हुए हैं। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपको परिवार का साथ मिलेगा, और रिश्तों में मजबूती आएगी। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलने के संकेत है। परिवार में आपका प्रभाव बढ़ेगा। जो अविवाहित हैं उनके लिए विवाह के योग बन रहे हैं। शुभ अंक- 2

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छी खबर लेकर आएगा। आज आपको ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। आपको अपने करियर से रिलेटेड अपनी योजनाओं को सार्थक करने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। आज नये काम की शुरूआत आपको बड़ा फायदा करायेगा। व्यापार में रुका हुआ पैसा वापस आएगा साथ ही धनलाभ के नए रास्ते भी नजर आएंगे। शुभ अंक- 2

वृश्चिक राशि : आज खुद पर आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। लेकिन आज आपको क्रोध करने से बचना होगा क्योंकि इससे आप के कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं कार्य क्षेत्र में विरोधी कुछ परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे। नौकरी में आप की स्थिति अच्छी रहेगी। आज आपको अपने बेमतलब के खर्चों पर ध्यान देना चाहिए। इसका असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। शुभ अंक- 2

धनु राशि : आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आपको आज लंबी ड्राइविंग करने का मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड की यात्राएं होंगी। जिससे आपको अच्छा लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। अच्छे मनोबल के साथ आप व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। शुभ अंक- 8

मकर राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। आप अपने खुद के विश्वास के दम पर बहुत कुछ कर पाएंगे। लेकिन आलस से बचना होगा। इस दौरान कुछ तनाव रहेगा आप अपनी सेहत का ध्यान रखें। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। उनके कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी करने वालों को नए अवसर मिलेंगे। शुभ अंक- 2

कुंभ राशि : आपके लिए आज का दिन खास रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में आपके दोस्तों का साथ मिलेगा। आज आप किसी सामाजिक गतिविधि में जोर शोर से भाग लेंगे और कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। आपकी नौकरी में पदोन्नति होने के योग बने हुये है। आप शांत और ठंडे दिमाग से कार्य करें, और धीरे-धीरे आगे बढ़ें। जीवनसाथी के साथ अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। **मीन राशि** : आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आपके व्यापार में अच्छे विस्तार के संकेत हैं। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा। आप अपनी मेहनत और प्रोफेशनलिज्म की वजह से लोगों के बीच जाने जाएंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगा। संतान की ओर से अच्छी खुशखबरी मिल सकती है आप अपनी सेहत का भी ध्यान रखेंसकती है आप अपनी सेहत का भी ध्यान रखें। शुभ अंक- 3

एफटीए विकसित भारत के लिए नई व्यापार संरचना का निर्माण कर रहे हैं

राजेश अग्रवाल

विकसित भारत का विज़न हासिल करने के लिए अगले दो दशकों तक आर्थिक विकास की उच्च दर बनाए रखना ज़रूरी है। भारत का विशाल घरेलू बाजार इस विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है, लेकिन केवल इसी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक प्रतिस्पर्धी पैमाने और वास्तविक तकनीकी परिवर्तन हासिल करने के लिए, भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ मजबूती से एकीकृत हो रहा है। जहां डब्ल्यूटीओ समझौते नियम-आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए आधारशिला प्रदान करते हैं, वहीं एफटीए इच्छुक साझेदारों को डब्ल्यूटीओ आधारशिला पर आगे बढ़ाते हुए रुचि के अन्य क्षेत्रों में अधिक गहराई से एकीकरण करने में सक्षम बनाते हैं। आर्थिक एकीकरण और साझेदार देशों के अनुसार नियम बनाने के महत्वपूर्ण चालक के रूप में वर्तमान में लागू 384 अधिसूचित एफटीए अपनी उपयोगिता रेखांकित करते हैं। ये एफटीए महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच बनाने और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के अनिश्चित हालात से बचाने के लिए संस्थागत रूपरेखा (ब्लूप्रिंट) हैं। वैश्विक आर्थिक अवसरों तक पहुंच भी उन भारतीय व्यवसायों के लिए जरूरी है, जो बड़े पैमाने पर काम करके वैश्विक चैम्पियन के तौर पर उभरना चाहते हैं। लेकिन फायदा केवल बड़े व्यवसायों तक सीमित नहीं है; एफटीए स्टार्ट-अप, एमएसएमई, किसानों, मछुआरों और भारतीय प्रतिभा के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर के द्वार खोलते हैं, जो अपनी क्षमताओं का विश्व स्तर पर लाभ उठाना चाहते हैं। ये बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ टैरिफ, सेवा बाजार तक पहुंच और पारदर्शी व्यापार नियमों को शामिल करती हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों को लंबी अवधि के निवेश के लिए भरोसेमंद वातावरण मिलता है।

भारत की व्यापार बातचीत की रणनीति काफी विकसित हो चुकी है, और इसका ध्यान उन पूरक अर्थव्यवस्थाओं पर है, जो वस्तु और सेवाओं के लिए मुख्य निर्यात बाजार के रूप में काम करती हैं। हाल के मुक्त व्यापार समझौतों का एक मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में समान अवसर प्राप्त हों। यह समानता विशेष रूप से वस्त्र, परिधान और जूते जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए जरूरी है, जहां ऐतिहासिक रूप से भारतीय उत्पादों पर भारी टैरिफ लगता रहा है, जबकि प्रतिस्पर्धियों को शुल्क मुक्त पहुँच मिलती है। कनाडा, इज़राइल और ईएईयू और एमईआरसीओएसयूआर जैसे समूहों के साथ भी भारत व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। सेवाएँ भारत की निर्यात रणनीति और इसके एफटीए वार्ताओं के केंद्र में हैं। सीमापार डिजिटल डिलीवरी पर पक्के वादे करके, हाल के एफटीए, तेजी से बढ़ते वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) इकोसिस्टम, तकनीकी स्टार्टअप्स और डिजिटल नवोन्मेषियों के बीच निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने में मदद करते हैं। डिजिटल डिलीवरी सेवाओं के अलावा, एफटीए ने भारत को वार्ताओं में नए तरीके अपनाने का मौका दिया है, जिससे ऐसी बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ हासिल हुई हैं, जो भारतीय प्रतिभा, खासकर युवाओं के आवागमन को बढ़ाती हैं। मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं - छात्र और पेशेवरों के लिए आवागमन प्रावधान और साइड-लेटर, भारत-यूके दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) जैसे फ्रेमवर्क, जो अस्थायी कार्य के लिए दोहरी सामाजिक सुरक्षा कराधान को रोकते हैं, और योग जैसे खास क्षेत्रों में आवागमन अधिकार। भारत के नई पीढ़ी के एफटीए की एक विशेषता व्यापार और निवेश के बीच गहरे संबंध को मान्यता देना है। प्रमुख वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके और प्रमुख निर्माण सामग्री के आयात को आसान बनाकर, यह नेटवर्क बढ़ती मांग के साथ मिलकर भारत को निर्माण और निवेश के लिए बेहद आकर्षक गंतव्य बनाता है। हाल के समझौते और आगे बढ़ते हुए बाजार तक पहुंच को निवेश परिणामों से सीधे जोड़ते हैं। इसका प्रमुख उदाहरण है, भारत-ईएफटीए समझौता, जिसमें यह शर्त रखी गयी है कि ईएफटीए देशों को भारतीय बाजार तक पहुंच तभी मिलेगी, जब वे 100 बिलियन डॉलर के एफडीआई का वादा करेंगे और भारत में दस लाख नौकरियां पैदा करेंगे।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए में भी ऐसे ही प्रावधान हैं, जिनके तहत लंबे समय के निवेश के वादे के बदले भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार तक पहुंच की सुविधा दी गयी है। आधुनिक व्यापार अब केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है; इसके लिए 21वीं सदी के आयामों को समझना और नियमों पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे व्यापार में तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता और पादप-स्वच्छता से जुड़े उपाय (एसपीएस), और व्यापार सुगमता (टीएफ)। भारत के अगली पीढ़ी के एफटीए इन रूपरेखाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। अक्सर, टैरिफ़ की तुलना में उत्पाद मानक और अन्य नियामक आवश्यकताएँ बाजार तक पहुँचने में ज़्यादा बड़ी रुकावटें पैदा करती हैं। भारत के एफटीए में नियामक समन्वय और सहयोग के प्रावधान भारतीय निर्यातकों के संदर्भ में इन बाधाओं को कम करने के लिए व्यवस्थित व संस्थागत तरीके प्रदान करते हैं। पर्यावरण और श्रम मानक व्यापार में संभावित बाधाओं के रूप में उभर रहे हैं और इनके लिए उपाय न करना अब कोई विकल्प नहीं है। भारत के नए एफटीए इन चिंताओं को दूर करने के लिए ऐसी सहयोगात्मक व्यवस्था पेश करते हैं, जिससे भारतीय हितों को नुकसान न पहुंचे। ये वैश्विक साझेदारों को भरोसा दिलाते हैं कि भारत मानकों के मामले में सबसे निचले स्तर पर पहुँचने की होड़ से बचते हुए, वास्तविक नवाचार और बड़े पैमाने पर काम करके प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करना चाहता है। भारत की एफटीए नीति टुकड़ों में नहीं है, या देश-दर-देश नहीं है। यह जानबूझकर ऐसी पूरक अर्थव्यवस्थाओं को लक्षित करती है, जिनकी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में दो-तिहाई और वैश्विक आयात मांग में 75 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

सबसे जरूरी बात यह है कि इन एफटीए पर बातचीत हितधारकों की निरंतर भागीदारी और संपूर्ण सरकार दृष्टि पर निर्भर करती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि व्यापार नीति भारत के औद्योगिक विकास, नवाचार और सामाजिक-आर्थिक प्रगति जैसी व्यापक प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समझौते इस तरह से बनाए जाएँ कि संवेदनशील क्षेत्र और आबादी सुरक्षित रहें।

खास तौर पर, एफटीए में ऐसे मज़बूत प्रावधान शामिल किये जाते हैं, जिनसे यह सुनिश्चित होता है कि भारतीय बाजार को खोलने से घरेलू हितधारकों को नुकसान नहीं होगा। संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्र में उदारीकरण लंबे समय में धीरे-धीरे किया जाता है, ताकि स्थानीय उद्योगों को तालमेल बिठाने का समय मिल सके। कृषि जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों को एमएसएमई और किसानों की सुरक्षा के लिए बाहर रखा गया है, साथ ही अचानक आयात बढ़ने की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय भी मौजूद हैं। अंतिम लक्ष्य एक सुदृढ़ और तालमेल व नियम-आधारित व्यापार इकोसिस्टम है, जिसमें भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा शामिल हो। जमीनी स्तर पर निवेश करने और मूल्य-श्रंखला लिंक बनाने के जरिए, रणनीतिक एफटीए भारतीय व्यवसायों को उस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने की स्वतंत्रता देंगे, जो वास्तव में मायने रखती हैः नीतिगत अनिश्चितता और नियामक बाधाओं की परेशानी से मुक्त होकर विस्तार करना, नवाचार करना और विपणन करना।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एक ही गलती दोहराने के कारण शतक नहीं लगा पा रहे वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पदार्पण के बाद से ही अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हुए हैं पर लगातार एक गलती दोहराने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब तक वह चार बर शतक के करीब आकर भी उसे बनाने में विफल रहे हैं। जिससे प्रशंसक भी निराश हैं। भारत ए टीम की ओर से श्रीलंका दौरे में भी वैभव ने यही गलती की है। इससे 94 रनों पर पहुंचने के बाद भी वह शतक नहीं लगा पाये। इसका कारण उनमें धैर्य की कमी को माना जा रहा है। वैभव अगले माह होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल किये गये हैं। ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह एक ही गलती अब नहीं करेंगे। वैभव ने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में केवल 29 गेंदों में ही

94 रनों की आतिशी पारी खेली थी जिससे सभी हैरान हो गये थे। इस आक्रामक पारी के बाद भी वैभव शतक के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये। इससे एक बार फिर दिखा कि वह शतक के करीब जाकर गलती कर जाते हैं।

श्रीलंका ए के खिलाफ हुए उस फाइनल मुकाबले में वैभव ने पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 11 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। 64 रन तक पहुंचने तक वैभव ने एक भी सिंगल नहीं लिया, जो यह संकेत दे रहा था कि वह एक बड़े शतक की ओर बढ़ रहे हैं पर एक बार फिर इस बल्लेबाज ने वही पुरानी गलती दोहराई जिससे वह शतक से केवल 6 रन दूर रह गए। आक्रामक रवैये के चलते वह कब अर्धशतक पूरा कर लेते हैं और कब शतक के करीब पहुंच जाते हैं, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। हालांकि, यही आक्रामकता कभी-कभी उनके लिए नुकसानदेह साबित होती है, खासकर जब वह बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि के करीब होते हैं। उन्हें शतक के करीब पहुंचकर अपना धैर्य न खोने की कला सीखनी होगी।

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में भारतीय टीम को मिली छह विकेट से हार पर निराशा जतायी है। हरमनप्रीत ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि टीम ने जो कैच छोड़े उससे मुकाबला हाथ से निकल गया। भारतीय टीम की ये इस टूर्नामेंट में पहली हार है। इससे पहले उसने अपने दोनो मुकाबले जीते थे। कप्तान के अनुसार भारतीय टीम उसे मिले अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पायी।

हरमनप्रीत ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज मारिजाने केप को

आउट करने के दो अच्छे अवसर हाथ से निकल गये थे। वहीं स्थानापन्न खिलाड़ी राधा यादव ने केप के दो आसान कैच छोड़े, जिसका केप ने पूरा लाभ उठाते हुए केवल 45 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की सहायता से नाबाद 81 रन बनाये। इससे दक्षिण अफ्रीका की टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 19.1 ओवर में ही चार विकेट पर 161 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की है। इससे अंक तालिका में चार अंकों के साथ ही भारतीय टीम तीसरे स्थान पर खिसक गयी है। इससे पहले, भारतीय टीम ने दीप्ति शर्मा के 29 और कप्तान हरमनप्रीत के 24 रनों की सहायता से 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन बनाये थे। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 15 गेंदों में तेजी से 31 रन बनाये। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, ''हमें अवसर मिले पर हम उनका लाभ नहीं उठा पाये। इसी कारण मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच में हम अच्छ क्षेत्ररक्षण नहीं कर पाये। उन्होंने हालांकि 24 रन देकर तीन विकेट लेने वाली स्पिनर स्पिनर श्री चरणी के प्रदर्शन की प्रशंसा की है।

रोहित के आलोचकों पर बरसे कैफ, ऐसे लोग चाहते हैं वह विफल हो जाएं

एजेंसी, मुम्बई

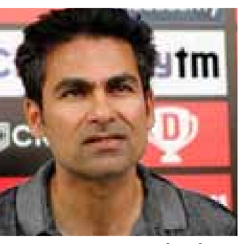

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि कुछ लोग ऐसे हैं तो अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को असफल होने देखना चाहते हैं जिससे कि उन्हें एकदिवसीय विश्वकप से बाहर करने का अवसर मिल जाये। कैफ के अनुसार रोहित ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में 79 रनों की पारी खेलकर साबित कर दिया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है और वह बड़े स्कोर बनाने में किसी से पीछे नहीं हैं। इसी कारण वह 39 साल की उम्र में भी जमकर रन बना रहे हैं। इस प्रकार जहां एक ओर रोहित अगले साल होने वाल एकदिवसीय विश्वप कप के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे आलोचक भी हैं जो उनकी बढ़ती उम्र का हवाला देकर उन्हें रोकना चाहते हैं। ऐसे लोग नहीं चाहते कि रोहित विश्वकप खेलें। साथ ही कहा कि ऐसे लोगा चाहते हैं कि रोहित असफल हो जाएं जिससे उन्हें बाहर करने का अवसर मिल जाये। वहीं रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में एक शतक, दो बार 75 या उससे अधिक रन, एक 57 रनों की पारी और एक 48 रनों की पारी खेली है, जो उनकी बेहतरीन लय को दिखाती है जबकि आलोचक एक पारी में विफल होने पर ही इनके खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर देते हैं। कैफ ने कहा कि चयन का पैमान उम्र नहीं, बल्कि फॉर्म होनी चाहिए। विशेष रुप से रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के मामले में।

शाहिदी एक विशेष कलब का हिस्सा बने

एजेंसी, चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी अपने एकदिवसीय करियर में 13 साल के बाद पहला शतक लगाने के साथ ही दिग्गज क्रिकेटरों के खास क्लब का हिस्सा बन गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारी दबाव के बीच ही एक दशक से भी अधिक समय तक अपने को लगातार साबित करते रहना और अपने पहले शतक के लिए इतने लंबे इंतजार के बाद सफलता प्राप्त करना आसान नहीं है पर शहिदी निराश नहीं हुए। इसी कारण वह भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 102 रनों की यादगार पारी खेलने में सफल रहे। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में कदम रखने वाले शाहिदी को अपने पहले शतक तक पहुंचने में पूरे 4644 दिन का अविश्वसनीय रूप से लंबा सफर तय करना पड़ा। यह यात्रा इतनी लंबी और संघर्षपूर्ण थी कि इसने क्रिकेट प्रेमियों को गुजरे दौर के उन महान बल्लेबाजों की याद दिला दी जिन्होंने भी अपने करियर में ऐसे ही किसी खास मुकाम के लिए लंबा इंतजार किया था। एकदिवसीयच डेब्यू से लेकर पहले शतक के बीच सबसे ज्यादा दिनों के इंतजार के मामले में, शाहिदी अब दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं।

मनिका ने एशियाई खेलों के लिए टीम चयन की प्रकिया पर उठाये सवाल

अधिक पारदर्शिता की जरुरत बतायी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा 2026 एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं मिलने के बाद से ही निराशा हैं। मनिका ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसमें अधिक पारदर्शिता होनी चाहिये है।आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए 10 सदस्यों की भारतीय टीम में मनिका जगह की प्रबल दावेदार थी पर जिस प्रकार से उन्हें बाहर रखा गया है उससे प्रशंसक भी हैरान हैं। मनिका को केवल रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। इस ओलंपियन ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताते हुए कहा कि एशियाई खेल 2026 की टीम में चयन नहीं होने से वह हैरान है। इसके लिए उन्हें कोई तर्कसंगत कारण भी नहीं बताया गया है। उन्होंने चयन मापदंडों में विसंगति की ओर संकेत करते हुए कहा, प्रदर्शन में निरंतरता को लेकर सवाल उठते हैं, क्योंकि मेरे मामले में पिछले चयन चक्र के मुकाबले अलग-अलग पैमाने और बातों को ध्यान में रखा गया है। अगर वही नियम लागू होने थे जो पिछले एशियाई खेलों के चयन में लागू हुए थे, तो स्थिति अलग होती। उन्होंने खेल मंत्री और भारतीय ओलंपिक संघ से अनुरोध किया कि वे इस मामले का संज्ञान लें और चयन के नियमों को पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से लागू करना सुनिश्चित करें।

बिजनेस

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। खरीदारों की लिवाली की वजह से दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, एनटीपीसी और नेस्ले के शेयर 2.22 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी और एचडीएफसी बैंक के शेयर 6.75 प्रतिशत से लेकर 2.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,783 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,011 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 772 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 357.77 अंक की मजबूती के साथ 77,160.67 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से यह सूचकांक फिसल कर 77,008.02 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। पहले 10 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स उछल कर 77,249.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इस सूचकांक की चाल में मामूली कमजोरी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 398.81 अंक की तेजी के साथ 77,201.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 93.50 अंक उछल कर 24,106.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली का दबाव बनने पर निफ्टी 24,073.15 अंक के स्तर तक गिर गया, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने 24,148.70 अंक तक छलांग भी लगाई।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। हालांकि, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में प्रोग्रेस होने की खबर की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 80.48 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,500.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 496.28 अंक यानी 1.91 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 26,517.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 110 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,454.70 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

सीएसएम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ 24 जून को खुलेगा

प्राइस बैंड 107-113 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

ओडिशा स्थित सरकारी आईटी समाधान प्रदाता कंपनी सीएसएम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार, 24 जून, 2026 को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए 29 जून तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 107-113 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेश के लिए एंकर निवेशक 23 जून को बोली लागा सकेंगे। सीएसएम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस इश्यू के लिए निवेशक कम से कम 132 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 132 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है। यह आईपीओ पूरी तरह फ्रेश इश्यू है। कंपनी इस इश्यू के जरिए 1.29 करोड़ के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। इसमें कोई भी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) हिस्सा नहीं है। इस आईपीओ से

जुटाई गई पूरी धनराशि कंपनी के पास जाएगी, जिसका उपयोग कारोबार विस्तार के लिए किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई धनराशि में से 53 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में खर्च किए जाएंगे। वहीं, 25.88 करोड़ रुपये कर्ज को चुकाने में लगाए जाएंगे। इसके अलावा कुछ राशि संभावित अधिग्रहण और अन्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के लिए रखी जाएगी। शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होने की संभावना है। इसके शेयरों की लिस्टिंग 2 जुलाई को एनएसई और बीएसई संभावित है। सीएसएम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 1998 में बनी उन चुनिंदा आईटी सॉल्यूशंस कंपनियों में से एक है, जिन्होंने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के लिए अपनी तरह के अनोखे प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। यह कंपनी सरकारी टेक सॉल्यूशंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सर्विसेज देने में भी माहिर है। यह माइनिंग और उससे जुड़ी सर्विसेज़, सरकारी और पब्लिक सर्विसेज़ और टूरिज़्म जैसे सेक्टर में टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस देती है।

मारुति सुजुकी गुजरात के पांच आईटीआई में बनाएगी मैन्युफैक्चरिंग लैब

एजेंसी, नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) गुजरात के 5 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में (एडवांस्ड) उन्नत विनिर्माण प्रयोगशालाएं स्थापित करेगी। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इसके लिए कंपनी ने गुजरात सरकार के रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशालय (डीईटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह उन्नत विनिर्माण प्रयोगशालाएं (एएमएल) पालनपुर, भावनगर, सुरेंद्रनगर, गोधरा और दाहोद के आईटीआई में स्थापित की जाएंगी। पैसेंजर कार निर्माता कंपनी एमएसआईएल के वरिष्ठ कार्यकारी

अधिकारी (कॉरपोरेट मामलों) राहुल भारती ने कहा, ''उन्नत विनिर्माण प्रयोगशालाओं के माध्यम से हम छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा एवं आधुनिक उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण देंगे। इससे ऐसे पेशेवर तैयार होंगे जो विकसित हो रहे मोटर वाहन परिवेश में सहजता से काम कर सकें।'' मारुति सुजुकी इंडिया वर्तमान में देशभर में विनिर्माण से जुड़े 31 आईटीआई का सहयोग कर रही है। कंपनी ने देशभर में 18 एएमएल स्थापित किए हैं। एमएसआईएल गुजरात में पांच नए एएमएल जुड़ने के बाद वह गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़ सहित सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 23 एएमएल संचालित करेगी। यह देश की सबसे बड़ी यात्री कार निर्माता कंपनी है, जिसकी घरेलू यात्री वाहन बाजार में लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी है। जापानी कंपनी 'सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन' की इस सहायक कंपनी का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड किफायती, भरोसेमंद और फ्यूल-एफिशिएंट गाड़ियां बनाने के लिए जानी जाती है।

सोना-चांदी बाजार में हल्की गिरावट, देशभर में कीमतों में नरमी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना आज 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट, ब्रेंट क्रूड का भाव 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हुई शांति वार्ता के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को गिरावट दर्ज हुई है। क्रूड ऑयल की सप्लाई में रुकावट की आशंका कम होने और ईरान के तेल निर्यात बढ़ने की उम्मीद के चलते कच्चे तेल की कीमतें 3 फीसदी तक की गिरावट आई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 0.94 डॉलर यानी 1.17 फीसदी की गिरावट के साथ 79.63 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। शुरुआत कारोबार में यह 82 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया था। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड अभी 0.11 डॉलर यानी 0.15 फीसदी की तेजी के साथ 75.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई यह गिरावट भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए राहत की बात है, लेकिन कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद पेट्रोल और डीजल के दामों में तुरंत कमी की संभावना कम है। इसकी वजह यह है कि तेल कंपनियां पहले अपनी लागत और पुराने नुकसान की भरपाई करेंगी। वैश्विक बाजार की नजर पश्चिम एशिया के हालात और कच्चे तेल की आपूर्ति पर रहेगी, क्योंकि आगे की दिशा भी इसी पर निर्भर करेगी।

फिल्म

जैकलीन के नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में बढ़ी उत्सुकता

जल्द ही अपने करियर की पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज दर्शकों के सामने आने वाली हैं। अभिनेत्री इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित बताई जा रही हैं। फिल्म से जुड़ी शुरुआती जानकारियों ने ही दर्शकों और फिल्म प्रेमियों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह केवल डर और रोमांच तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें भावनात्मक पहलुओं और संगीत का भी महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। निर्माताओं का उद्देश्य एक ऐसा सिनेमाई अनुभव प्रस्तुत करना है, जिसमें हॉरर के साथ कहानी और भावनाओं का भी गहरा प्रभाव देखने को मिले। बताया जा रहा है कि जैकलीन इस फिल्म में केंद्रीय भूमिका निभाएंगी, जबकि दो प्रमुख पुरुष कलाकारों का चयन भी किया जा चुका है। हालांकि फिल्म के शीर्षक, निर्देशक और अन्य कलाकारों के नामों को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण ख्याति मदान के बैनर 'नॉट आउट एंटरटेनमेंट' के तहत बड़े पैमाने पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द किए जाने की संभावना है। उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फिल्म की तैयारियां तेजी से चल रही हैं और कलाकार इन दिनों विशेष वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं, ताकि अपने किरदारों को बेहतर ढंग से समझ सकें और कहानी की मांग के अनुरूप प्रदर्शन कर सकें। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का एक टीज़र और एक गीत पहले ही शूट किया जा चुका है। इससे संकेत मिलता है कि निर्माता जल्द ही दर्शकों के सामने फिल्म की पहली झलक पेश कर सकते हैं। वहीं, मुख्य शूटिंग इसी महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। फिल्म की टीम इसे एक बड़े और अलग तरह के हॉरर अनुभव के रूप में विकसित करने में जुटी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले फिल्म 'भूत पुलिस' में दिखाई दे चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी थी, जिसमें डर और हास्य का मिश्रण था। इसके विपरीत यह नया प्रोजेक्ट पूरी तरह हॉरर शैली पर आधारित होगा। ऐसे में यह फिल्म अभिनेत्री के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है और दर्शकों को उनका बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल सकता है। कामकाज के मोर्चे पर जैकलीन हाल ही में फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। इसके अलावा वह आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का भी हिस्सा हैं, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है। अब उनकी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म को लेकर बढ़ती चर्चाओं ने प्रशंसकों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है।

फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्मेंस के बाद नोरा फतेही ने कहा

मैं खुशकिस्मत रही कि मुझे करियर में यादगार पल मिले

बॉलीवुड की डांसिंग दिवा नोरा फतेही ने कहा है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें अपने करियर में कई यादगार पल देखने को मिले। फिर भी, फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्म करने जैसी बड़ी कामयाबी का जश्न अपने करीबी लोगों के साथ मनाने के इमोशनल अनुभव से किसी चीज की तुलना नहीं की जा सकती। नोरा ने टोरंटो में दूसरे फीफा वर्ल्ड कप ओपनिंग सेरेमनी की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनकी बहन, मां, भाई, हाई-स्कूल टीचर और दोस्त शामिल थे। मोरक्कन मूल की इस एक्ट्रेस ने वहां परफॉर्म किया था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं आप लोगों के साथ यह शेयर करना चाहती थी। मैं एक दशक से ज़्यादा समय से परफ़ॉर्म कर रही हूं, मैं खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे अपने करियर में कई बड़े पल मिले और मैंने उन्हें अपने कुछ पसंदीदा लोगों के साथ शेयर किया है! 34 साल की डांसिंग दिवा ने कहा कि एक दशक से अधिक समय तक परफॉर्म करने के बाद, यह पहली बार था जब उनकी मां, भाई-बहन, बचपन के दोस्त, करीबी दोस्त और यहां तक कि उनके हाई-स्कूल के टीचर भी उन्हें लाइव परफॉर्म करते हुए देखने के लिए एक साथ आए थे। नोरा फतेही ने कहा, मेरा पूरा परिवार और मेरे करीबी लोग कभी भी एक साथ नहीं थे। यह पहली बार था जब मैंने अपनी परफॉर्मेंस खत्म की और अपने सभी करीबी लोगों को मुझे गले लगाने के लिए एक साथ इंतजार करते हुए पाया! यह सच में मेरे लिए एक इमोशनल पल था। मैं हमेशा अकेले काम पर जाती हूं और परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद घर चली जाती हूं, लेकिन इस बार कुछ अलग था। मेरे करीबी लोग पहली बार मुझे लाइव देखने के लिए इक_ा हुए और पहली बार मेरे साथ जश्न मनाया। नोरा ने कहा, मैंने इस पल के लिए अपनी पूरी जिंदगी मेहनत की है। इस एहसास को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मेरी बहन, मेरी मां और मेरा भाई पहली बार वहां मौजूद थे! मेरे हाई-स्कूल टीचर, जो मेरे बहुत करीबी हैं, भी वहां मौजूद थे! मेरे बचपन के दोस्त और आज के करीबी दोस्त भी वहां थे!

भाभी के बनाए भोजन का भरपूर आनंद ले रही हीना खान

छोटे परदे की मशहूर अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ खास 'फूडी मोमेंट्स' साझा किए, जिनमें उनकी भाभी नीलम द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट व्यंजन नजर आए। अभिनेत्री ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को अपने निजी जीवन की झलक दिखाई है। अभिनेत्री हिना ने इन तस्वीरों के जरिए न केवल खाने के प्रति अपने प्रेम को जाहिर किया, बल्कि अपनी भाभी के प्रति स्नेह और आभार भी व्यक्त किया। अभिनेत्री द्वारा साझा की गई तस्वीरों में सबसे अधिक ध्यान घर पर तैयार किए गए चिकन बर्गर ने आकर्षित किया। खास बात यह थी कि इस बर्गर का बन और मेयोनेज भी घर पर ही तैयार किया गया था। तस्वीर साझा करते हुए हिना ने अपनी भाभी की सराहना करते हुए लिखा कि यह स्वादिष्ट भोजन उनके लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। उनकी पोस्ट से साफ झलक रहा था कि वह घर के बने खाने का भरपूर आनंद ले रही हैं। इसके अलावा हिना ने एक और तस्वीर साझा की, जिसमें पारंपरिक सिंधी व्यंजन 'दाल पकवान' दिखाई दिया। यह लोकप्रिय स्नैक भी उनकी भाभी ने ही बनाया था। स्वाद और पारंपरिक व्यंजनों के प्रति अपने लगाव को दर्शाते हुए हिना ने इस खास पकवान की भी जमकर तारीफ की। उनके प्रशंसकों ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए घर के बने भोजन की अहमियत और पारिवारिक रिश्तों की गर्मजोशी की सराहना की। यह पहली बार नहीं है जब हिना खान ने अपनी भाभी के प्रति अपना स्नेह सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया हो। इससे पहले भी वह कई अवसरों पर बता चुकी हैं कि उनकी भाभी उनके खानपान का विशेष ध्यान रखती हैं, खासकर तब जब वह अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल में उलझी होती हैं। हिना अक्सर यह साझा करती रही हैं कि परिवार का सहयोग उनके जीवन और काम दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ समय पहले अभिनेत्री ने एक वीडियो भी साझा किया था, जिसमें वह शूटिंग के दौरान अपनी वैनिटी वैन में बैठकर बंगाली व्यंजनों का आनंद लेती नजर आई थीं। उस भोजन में दाल, चावल, अंडा करी, बैंगन फ्राई, रोटी, सलाद और दही जैसी कई पारंपरिक चीजें शामिल थीं। उस दौरान उन्होंने बताया था कि उनकी शूटिंग उनकी भाभी के घर के पास चल रही थी, इसलिए उन्हें घर का बना स्वादिष्ट बंगाली भोजन खाने का अवसर मिला। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि उनकी भाभी दुनिया की सबसे बेहतरीन भाभियों में से एक हैं और हमेशा उनका विशेष ख्याल रखती हैं। हिना ने यह भी बताया था कि उनकी भाभी उनके लिए शाम के स्नैक्स और रात के खाने की व्यवस्था भी करती हैं। इनमें बटर चिकन और शोरषे बाटा जैसे व्यंजन शामिल थे। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने समोसे और पकौड़ों से सजे स्नैक्स की तस्वीरें भी साझा की थीं, जिन्हें उनके प्रशंसकों ने काफी पसंद किया। निजी जीवन की बात करें तो हिना खान ने रॉकी जायसवाल के साथ विवाह किया है। हाल ही में दोनों ने अपनी शादी की पहली वर्षगांठ भी मनाई। सोशल मीडिया पर साझा किए गए इन पोस्ट्स को फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है।

कैप्टन इंडिया से देशभक्ति का संदेश देने आएंगे कार्तिक आर्यन, आई रिलीज तारीख

कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए साल 2027 काफी खास होने वाला है। एक तरफ करण जौहर के साथ उनकी चर्चित फिल्म नागजिला वैलेंटाइन सप्ताह में दर्शकों का दिल जीतने आएगी। वहीं दूसरी तरफ अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म कैप्टन इंडिया पर एक बड़ी खुशखबरी आ गई है। बता दें, इस फिल्म का ऐलान 5 साल पहले किया गया था और तब से फैंस इसपर अपडेट पाने के लिए उत्साहित थे।

आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख बता दी है। चक दे! इंडिया और रॉकेट सिंहः सेल्समैन ऑफ द ईयर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर शिमित अमीन ने कैप्टन इंडिया के निर्देशन की जिम्मेदारी

चेतना पांडे हॉरर फिल्म हॉन्टेड-3डी में मचा रहीं धमाल, रियल लाइफ में हैं बेहद ग्लैमरस

हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं. इसके साथ ही फिल्म की एक्ट्रेस चेतना पांडे भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. फिल्म में अपने किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली चेतना रियल लाइफ में बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश हैं. आइए जानते हैं आखिर कौन हैं चेतना पांडे. चेतना पांडे ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2013 की फिल्म आई डोंट लव यू से की थी. इसके बाद वो शाहरुख खान और काजोल की सुपरहिट फिल्म दिलवाले (2015) में जेनी के किरदार और मुन्ना माइकल (2017) में भी काम कर चुकी हैं. फिल्मों के अलावा, चेतना एमटीवी के ऐस ऑफ स्पेस (सीज़न 1) और कलर्स टीवी के रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 12 में भी एक कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ चुकी हैं. वो क्लास ऑफ 2020 और होम जैसी पॉपुलर वेब सीरीज में भी अभिनय कर चुकी हैं. चेतना पांडे की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है. इंस्टाग्राम पर उन्हें 2.5 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. चेतना पांडे रियल लाइफ में बेहद ग्लैमरस हैं. चेतना पांडे इन दिनों विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डीः इकोज़ ऑफ द पास्ट में सुनहरी के किरदार में नज़र आ रही हैं. हॉन्टेड 3डीः इकोज़ ऑफ द पास्ट बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है. फिल्म ने अब तक, सैकनिल्क के मुताबिक, 16.41 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

मेडिटेशन के दौरान न करें ये 5 गलतियां, लाभ नहीं मिल सकता

मेडिटेशन एक ऐसी प्रक्रिया है, जो हमें मानसिक शांति और आंतरिक शांति प्रदान करती है। हालांकि, कई लोग मेडिटेशन करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे उन्हें पूरा लाभ नहीं मिल पाता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिन्हें मेडिटेशन करते समय करने से बचना चाहिए ताकि आप अपने मेडिटेशन सत्रों का पूरा लाभ उठा सकें और मानसिक शांति प्राप्त कर सकें।

सही जगह का चयन न करनाः मेडिटेशन करते समय सही जगह का चयन करना बहुत जरूरी है। ऐसी जगह चुनें जहां शांति हो और कोई बाहरी शोर-गुल न हो। अगर आप किसी व्यस्त जगह पर मेडिटेशन करेंगे तो आपका ध्यान भंग होगा। इसके अलावा ऐसी जगह चुनें जहां आपको आरामदायक महसूस हो और आपको कोई परेशानी न हो। सही माहौल में मेडिटेशन करने से आपकी मानसिक शांति बढ़ेगी और आप अधिक प्रभावी ढंग से मेडिटेशन कर पाएंगे।

समय का ध्यान न रखना : मेडिटेशन करते समय समय का ध्यान रखना भी जरूरी है। अगर आप जल्दी में हैं या समय की कमी महसूस कर रहे हैं तो आपका ध्यान भंग होगा और आप पूरी तरह से ध्यान में नहीं लग पाएंगे। इसलिए एक निश्चित समय तय करें और उसी दौरान मेडिटेशन करें ताकि आप पूरी तरह से इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इससे आपका मानसिक शांति और आंतरिक शांति प्राप्त करने का अनुभव बेहतर होगा।

मेडिटेशन करते समय सही तरह से बैठना बहुत जरूरी है। अगर आपकी मुद्रा सही नहीं होगी तो इससे आपकी पीठ में दर्द हो सकता है या शरीर में अकड़न आ सकती है, जिससे आपका ध्यान भंग होगा। इसलिए मेडिटेशन करते समय बैठने की सही मुद्रा अपनाएं और सुनिश्चित करें कि आपका शरीर आरामदायक स्थिति में हो ताकि मानसिक शांति प्राप्त कर सकें। सही मुद्रा से आपका मेडिटेशन अधिक प्रभावी ढंग से होगा।

सांसों पर ध्यान न देना : मेडिटेशन करते समय सांसों पर ध्यान देना बहुत अहम होता है। अगर आप अपनी सांसों की गति पर ध्यान नहीं देंगे तो आपका मन भटक सकता है। इसलिए मेडिटेशन करते समय अपनी सांसों की गहराई और नियमितता पर ध्यान दें ताकि आपका मन स्थिर रहे और आप मानसिक शांति प्राप्त कर सकें। इससे आपकी ध्यान प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी और आप बेहतर अनुभव कर सकेंगे। आजकल मोबाइल फोन हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गया है, लेकिन मेडिटेशन करते समय इसका उपयोग करना सही नहीं है। मोबाइल फोन से आने वाली कॉल्स या संदेशों से आपका ध्यान भंग होगा। इसलिए मेडिटेशन करते समय मोबाइल फोन को दूर रखें या इसे साइलेंट मोड पर रख दें ताकि आपका ध्यान स्थिर रहे और आप मानसिक शांति प्राप्त कर सकें।

'Restore water supply immediately':

CJP founder Abhijeet Dipke appeals as protesters spend second night at Jantar Mantar

NEW DELHI, Agency: Cockroach Janta Party founder Abhijeet Dipke on Monday called for the immediate restoration of water supply at the protest site at New Delhi's Jantar Mantar. The newly formed pressure group has been staging a sit-in there over the NEET-UG paper leak issue.

As the protest entered its third day, Dipke questioned the authorities over the lack of basic facilities for protesters, saying even essential amenities were not being provided at the venue.

The internet sensation-turned-activist has emerged as a face of the growing anger directed at the Centre and Union education minister Dharmendra Pradhan over the NEET-UG fiasco.

Writing on X, Dipke appealed to authorities, saying: "I request the authorities to immediately restore water supply to the restrooms at Jantar Mantar."

"For the second consecutive there's no water supply at the restrooms," he added.

Earlier, Dipke also criticised the Delhi Police and the Union government over the treatment of people supporting the protest.

In a post on X, he wrote: "Delhi police is asking for aadhar card details and address of people who are donating water and bananas at the protest site. What has Delhi police been reduced to by this Govt!?"

At the protest site, volunteers had organised a langar and were serving lassi to demonstrators. Slippers, metal plates and a few suitcases were seen scattered around after participants spent another night at Jantar Mantar.

On the second day of the agitation, focused on the alleged NEET-UG paper leak, Dipke and his supporters refused to leave despite police informing them that permission for the protest had expired at 5 pm on Saturday.

CJP spokespersons urged authorities to provide an alternative venue where the sit-in could continue. Until then, they said, protesters would remain at Jantar Mantar. The internet-sensation-turned-protesting group is demanding Rs 1 crore compensation for the families of students who allegedly died by suicide following the paper leak controversy and has also called for the resignation of education minister Dharmendra Pradhan.

Triggered by Telegram curbs, VPN downloads hit 2026 high

NEW DELHI, Agency: Restrictions on Telegram triggered the biggest surge in VPN downloads in the country this year, as users sought ways to retain access to the messaging platform and shifted to alternative apps, according to data shared by App Figures, an app intelligence firm.

After the Centre imposed the temporary ban on June 16, downloads of the top 100 VPN apps in India reached 919,000 on June 17, up 76% from the June 9-15 average and 63% higher than the broader June 1-15 baseline. Downloads had already climbed to 645,000 on June 16, making June 17 the strongest day for VPN apps in India since at least the beginning of 2025.

VPNs, or virtual private networks, encrypt internet traffic and route it through servers in other locations, allowing users to mask their IP addresses and bypass certain network restrictions. They are commonly used for privacy and security, but spikes in downloads often occur when access to websites or apps is disrupted, as users look for ways to continue using affected services.

The spike came after govt imposed restrictions on Telegram over concerns around exam-related fraud content on the instant messaging app.

Proton VPN was among the biggest gainers, with downloads surging 157% from a recent average of around 60,500 a day to 1,55,430 on June 17. Turbo VPN nearly doubled to 1,22,030 downloads, while Ninja VPN recorded a 669% jump and ExpressVPN rose 345%, as per the App Figures data.

The rush also reshaped app store rankings. Proton VPN climbed from eighth place in Google Play's Tools category on June 17 to the top spot by June 19, while Turbo VPN rose from eleventh to second.

Users also flocked to alternative messaging services. Telegram Messenger downloads plunged from a recent daily average of 1,25,048 to just 38 on June 17, reflecting the impact of the restrictions.

At the same time, Telegram X, an alternative Telegram client, saw downloads soar 6,509% to 3,50,764, while Telegram-linked messaging app iMe jumped 22,018% to 1,70,372. Signal, which markets itself as a privacy-focused messaging app, recorded a 571% increase to 32,106 downloads. The data suggests users responded to the restrictions in two ways: by turning to VPNs to maintain access to Telegram and by experimenting with alternative or Telegram-adjacent messaging services.

Loyalty, reputation for sale': Aaditya Thackeray to 'the greedy MPs' of Shiv Sena joining Shinde camp

NEW DELHI, Agency: Shiv Sena (UBT) leader Aaditya Thackeray on Monday launched a sharp attack on the party's rebel Lok Sabha members amid the ongoing 'Operation Tiger' buzz, accusing them of selling their loyalty and reputation for political gain as the Uddhav Thackeray-led outfit faces a major internal crisis.

His remarks came as six of Shiv Sena (UBT)'s nine Lok Sabha members moved closer to joining the Eknath Shinde-led Shiv Sena, deepening the split within the party. The rebel MPs have already informed Lok Sabha Speaker Om Birla about their decision to form a separate group and are expected to formally align with the Shinde camp.

In a post on X, Aaditya Thackeray said the MPs who switched sides had betrayed the mandate of voters who elected them on the platform of the Maha Vikas Aghadi (MVA) and the INDIA bloc.

"To the greedy MPs who have hopped over, you only prove the following, stronger than before: your loyalty, your reputation is for sale, shamelessly. The government is biased and uses public money, politically, as funds," Aaditya wrote.

The Shiv Sena (UBT) leader said all the MPs now switching sides had contested and won elections with the support of leaders from Shiv Sena (UBT), Congress and NCP (SP).

All of the ones that are jumping over now were elected on the platforms of the MVA and the INDIA, against the NDA," he said.

He added that the MPs had sought campaign rallies from leaders across alliance parties during the elections and could not justify their defection through ideological arguments.

"The voters voted against the NDA candidates and for INDIA in your constituencies and for all it stands for. Just accept that your greed got you to ditch all of it overnight, shamelessly," Aaditya wrote.

The remarks come as Shiv Sena (UBT) stares at another major split nearly four years after Eknath Shinde's rebellion divided the party.

Six MPs stayed away from a parliamentary party meeting convened by the Uddhav Thackeray camp in Delhi despite a party whip. Only Arvind Sawant, Anil Desai and Rajabhau Waze attended the meeting and publicly reaffirmed their support for Uddhav Thackeray.

The rebel MPs reportedly cited concerns over a possible merger of Shiv Sena (UBT) with Congress and alleged deviation from the party's original ideology as reasons for their decision.

Shiv Sena (UBT) leaders have indicated disciplinary action against the absent MPs.

Rajya Sabha MP Sanjay Raut said action would be initiated as the MPs ignored an official party whip. Lok Sabha MP Arvind Sawant said showcause notices would be issued and legal steps would follow if satisfactory responses were not received.

Private hospitals get 60% of patients but have little research output

NEW DELHI, Agency: Private hospitals in India have negligible research output though they deal with 60% of patients. A study of research at Indian hospitals during the 5-year period from January 2021 to December 2025 also found that nearly all hospitals without medical colleges produced fewer than 10 publications annually.The study published in the latest issue of the Journal of Medical Evidence of the BMJ (British Medical Journal) group looked at the number of publications included in Scopus, PubMed and Google Scholar.

In the period studied, the average number of publications by the top 50 private hospitals in India without medical colleges attached was 242. In the same period, the average number of publications by the top 50 Indian hospitals with medical colleges was 1,530.

The latter list was topped by AIIMS, Delhi (6,932) and CMC, Vellore (5,333).

In comparison, the average research output of the top 10 medical colleges in China was over 16,000 with Shanghai Jiao Tong University School of Medicine and Peking University Health Science Centre topping the list; in the US, the average was almost 14,500, with Harvard and Johns Hopkins topping the list, and in the UK it was 13,500 with University of Oxford Medical Sciences Division and University College, London Medical School topping the list.

Mayo Clinic in the US produces 8,000 papers annually, which is more than the entire Indian private sector. Indian healthcare is now dominated by private hospitals many of which are controlled by large corporate houses whose main purpose is making a profit for its shareholders, so education and research is not a priority, observed the study.

"This study confirms that in spite of their dealing with most of the population, doctors in private hospitals in India do little research. There is a neglect of the enormous data that can be accessed from Indian patients going to the majority of Indian hospitals. This may be due to lack of incentive, absence of electronic hardware or priorities which are mainly commercial," stated the study.

According to the study, there were 49,000 Indian medical institutions of which 800 were attached to medical colleges. Although India is fourth in the world in the quantity of research publications after the US, China and UK, its quality, as assessed by the number of citations it receives, drops it down to ninth. This means that the papers are not referred to and do not make a major impact on the world stage, stated the study conducted by Dr Samiran Nundy and Dr Parmanand Tiwari from Delhi's Sir Ganga Ram Hospital.

CBSE starts releasing re-evaluation results

NEW DELHI,(GNS): CBSE on Sunday began releasing the Class XII verification and re-evaluation outcomes, declaring results for around 87% of the candidates who had sought a review of their evaluated answer books. Revised marksheets of candidates whose scores have changed are being made available through DigiLocker. The remaining outcomes will be released in phases as applications are processed, CBSE said, adding that the exercise would be completed soon.

Candidates who sought verification of issues in their scanned answer books but received a "no change" decision will be allowed to inspect the scripts at respective CBSE regional offices. The inspection schedule will be announced separately. The review follows a controversy over OSM, introduced for Class XII this year in place of physical evaluation. After the May 13 results, students reported blurred or cropped scans, missing pages and subjects added to concerns over the new system.

Functional urban settlements': Govt may create new category

NEW DELHI, Agency: With villages around cities and towns acquiring urban characteristics - more built-up area, less dependence on agriculture for livelihood and more facilities like high-speed transport network - govt is looking at creating a new category - 'functional urban settlements' - in addition to the existing 'rural' and 'urban' classifications.

An estimate based on the UN's Degree of Urbanisation framework suggests that nearly 84% of India's population resided in urban settlements in 2025, much higher than govt's estimate of 36%. This is because at present, the framework of urbanisation falls under two categories - Census Towns (over 5,000 population) and Statutory Towns (with municipal entities).

But a visit to some villages close to urban areas in Haryana, Uttar Pradesh, Maharashtra, Kerala or Madhya Pradesh will show that these have most 'urban' features.

A recent study by National Institute of Urban Affairs (NIUA), under the housing and urban affairs ministry, has recommended the new national settlement classification framework - Functional Urban Settlements - to accurately capture the country's rapidly evolving urban landscape, as a substantial share of urbanisation is taking place beyond officially recognised towns and cities. The study was released by P K Mishra, principal secretary to PM.